RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:216। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 28 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

न लॉकडाउन लगेगा न ईंधन की कमी होगी: रिजिजू

•किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की फ्यूल ड्यूटी में कटौती की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में

उन्होंने कहा, 'मैं पूरे देश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। ऐसे कठिन समय में, जब दुनिया के जिस क्षेत्र से हमें गैस और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं, वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, उस समय इतना बड़ा फैसला लेना कोई सामान्य बात नहीं है। '

●सरकार का मकसद साफ है कि देश के किसी भी नागरिक को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने आज दिखा दिया है कि किसी भी भारतीय को अपने दैनिक जीवन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हर आम व्यक्ति समझता है कि हमारे देश में गैस और तेल का उत्पादन बहुत कम होता है और हम आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों को नियंत्रित रखना और बढ़ने से रोकना बहुत बड़ा फैसला है।

-केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू

•ममता बनर्जी पर भड़काऊ बयान का आरोप

अमित मालवीय ने चुनाव आयोग से की हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'लगातार उकसावे' के जरिए हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है और चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। मालवीय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि पांडवेश्वर में एक रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं से 'घर में जो भी है, उसे हथियार बनाकर' विपक्ष को कुचलने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले भी उत्तर बंगाल में इसी तरह का संदेश दिया गया था।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बासंती में हुई हिंसा उसी कथित उकसावे के बाद हुई, जहां तृणमूल से जुड़े हमलावरों ने चुनाव प्रचार कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान राज्य पुलिस मूकदर्शक बनी रही। अमित मालवीय ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह इस मामले का संज्ञान ले और तृणमूल के भीतर आपराधिक तत्वों पर लगाम सुनिश्चित करे। हालांकि, इन आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'देश में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कोई कमी नहीं'

•पश्चिम एशिया संकट गहराने के बाद सरकार का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। हम युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान यह बात कही। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत सरकार ने इस स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति प्रभावित: पेट्रोलियम मंत्रालय

शर्मा ने कहा, 'पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारत की कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के साथ-साथ अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भी बढ़ी हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए विभिन्न स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और अगले दो महीनों के लिए आपूर्ति की व्यवस्था है। एलपीजी और पीएनजी के मामले में भी स्थिति अनुकूल है। '

देश में एलपीजी उत्पादन में 40फीसदी का इजाफा हुआ

सरकार की ओर से बताया गया है कि हमारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से या उससे भी अधिक क्षमता से चल रही हैं और घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40**फीसदी** की वृद्धि हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार चूंकि भारत आयात पर अत्यधिक निर्भर है और एलपीजी आयात का लगभग 90फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है- इसलिए सरकार ने वाणिज्यिक आपूर्ति के बजाय घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। शुरुआत में वाणिज्यिक आपूर्ति रोक दी गई, फिर धीरे-धीरे बहाल की गई।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार

•एक-दो दिन में अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। उनके डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। 79 वर्षीय नेता को 25 मार्च रात करीब 10:22 बजे बुखार आने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी अब काफी बेहतर हैं और सहज महसूस कर रही हैं। वे चल-फिर रही हैं और उन्होंने नाश्ता भी किया है। उनकी प्रगति सुचारू है और जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें सिस्टेमिक इन्फेक्शन का इलाज दिया जा रहा है। वह एंटीबायोटिक दवाओं पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं। उनकी हालत स्थिर है और गंभीर नहीं है, हालांकि एहतियात के तौर पर कुछ समय निगरानी में रहेंगी।

एक्साइज ड्यूटी में कटौती को विपक्ष ने बताया चुनावी स्टंट

•बोला-स्थायी समाधान जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। जहां एक ओर सरकार के इस फैसले को आम जनता को राहत देने वाला कदम बताया जा रहा है, वहीं विपक्षी दल इसे राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इससे आम लोगों को वास्तविक फायदा कितना मिलेगा। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार को केवल दिखावटी राहत देने के बजाय स्थायी समाधान पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि यह कदम पूरी तरह राजनीतिक है। सरकार एक तरफ एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर रही है, जबकि दूसरी तरफ अन्य तरीकों से जनता पर आर्थिक बोझ डालकर इसकी भरपाई की जा सकती है। उन्होंने इसे राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश बताया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह कदम ऐसा है, जैसे पहले जनता से अधिक वसूली की जाए और फिर थोड़ी राहत देकर उसे बड़ा एहसान बताया जाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के समय पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी कम थीं, जबकि मौजूदा सरकार में इनकी कीमतों में कई गुना बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय गृह मंत्री 28 को आएंगे असम

•गुवाहाटी में होगा विशाल रोड-शो

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए 28 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम आएंगे। कामरूप (मेट्रो) के भाजपा समेत मित्र गठबंधन के पांच विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के समर्थन में वह चुनाव प्रचार चलाएंगे, इसकी जानकारी प्रदेश भाजपा मुख्यालय द्वारा आज दी गयी है। चुनाव प्रचार के हिस्से के रूप में वह चुनावी सभा और एक विशाल रोड शो में भी भाग लेंगे। अमित शाह शाम को आर्य महाविद्यालय के खेल मैदान में होने वाली एक चुनावी सभा में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह आर्य क्षेत्र से लालगणेश तक एक रोड शो में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त 29 मार्च को केंद्रीय गृहमंत्री असम के कई स्थानों पर पार्टी के चुनावी प्रचार में भाग लेंगे। 29 मार्च को ढेकियाजुली और टिहू क्षेत्र की सामता में होने वाली दो चुनावी सभाओं में अमित शाह हिस्सा लेंगे। पार्टी के चुनाव प्रचार सभाओं तथा रोडशो में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा सहित पार्टी के पदाधिकारी और मित्र दल के शीर्ष नेतृत्व उपस्थित रहेंगे और पार्टी के प्रत्याशियों के लिए मतदाताओं को संबोधित करेंगे। इस बीच भाजपा के स्टार प्रचारक के आगामी कल आगमन को लेकर भाजपा द्वारा जोरदार तैयारी किए जाने की जानकारी मिली है। ज्ञात हो कि भाजपा ने प्रधानमंत्री समेत कुल 40 स्टार कैंपेनरों को चुनाव मैदान में उतारा है।

'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर सुरक्षित पहुंचा गुजरात के कांडला पोर्ट

एजेंसी

कच्छ। मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के समुद्री मार्ग पर बढ़े खतरों के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है।

भारत का 'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर शुक्रवार को सुरक्षित गुजरात के कंडला पोर्ट पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर ईंधन सप्लाई प्रभावित होने की आशंका के बीच 'जग वसंत' नाम का विशाल एलपीजी कार्गो जहाज आज सुरक्षित रूप से गुजरात के कंडला बंदरगाह पर पहुंचा। इस 'जग वसंत' जहाज में लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारत आया है। होर्मुज की खाड़ी में बढ़े सैन्य तनाव के बीच इस जहाज का सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचना केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक रूप से भी बड़ी सफलता मानी जा रही है।जैसे ही यह जहाज कांडला बंदरगाह पर पहुंचा, तो उससे गैस उतारने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली गई। अधिकारियों के अनुसार, समुद्र में ही छोटे जहाजों में एलपीजी ट्रांसफर करने का काम तेजी से शुरू किया जाएगा, ताकि गैस को विभिन्न बॉटलिंग प्लांट्स तक जल्द से जल्द पहुंचाया जा सके।

'जग वसंत' जहाज में लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारत आया है।

एआईएडीएमके ने जारी की 127 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

•मौजूदा विधायकों पर जताया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। राज्य की प्रमुख पार्टी एआईएडीएमके ने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है, जिसमें 127 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। पार्टी ने इस सूची में बड़े पैमाने पर अपने मौजूदा विधायकों पर भरोसा जताया है और अधिकांश को दोबारा टिकट दिया है। पार्टी ने पहली सूची में 23 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। पार्टी की ओर से अभी तक कुल 150 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जा चुकी है। पार्टी ने पूर्व राज्य मंत्री बी.वी. रमना को तिरुवल्लूरसे, एक अन्य पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक पोल्लाची वी. जयरामन को फिर से पोल्लाची से मैदान में उतारा है। मदुरंतकम से पार्टी विधायक मरगदम कुमारवेल पर फिर से भरोसा जताया गया है। एआईएडीएमके तमिलनाडु में एनडीए का नेतृत्व कर रही है, वह 169 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एनडीए के अन्य घटक दलों में भाजपा, पीएमके और एएमएमके शामिल हैं। पार्टी ने अपनी पहली सूची में 23 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी थी, जिसमें पलानीस्वामी का नाम भी शामिल था। तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए एक ही चरण में 23 अप्रैल को चुनाव होंगे।

रामनवमी पर झूमी अयोध्या

साधु-संतों ने की पुष्पवर्षा, गूंजे बधाई गीत

•लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी के अयोध्या में शुक्रवार को रामनवमी पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस वर्ष पिछले साल से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन ने पहले से ही पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की है। सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहे।

कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। उधर, रामलला के जन्म के शुभ अवसर पर भए प्रकट कृपाला दीनदयाला की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कनक भवन और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते नजर आए। रामभक्तों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट ली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा।

रामभक्तों ने पूरे उत्साह और हर्ष के साथ अपने रामलला का जन्मोत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट बदली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा। भगवान श्रीराम के जन्म होते ही पूरे अयोध्या में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। इस दौरान साधु-संतों ने राम पथ से राम जन्मभूमि पथ होते हुए श्रीराम मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

●जगह-जगह संतों द्वारा बधाई गीत गाए गए। इससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे और इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेते नजर आए। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन भी किए गए।

बोडकदेव पुलिस का भंडाफोड़: थाने से महज़ कुछ दूरी पर चल रहा था हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट!

थाईलैंड की युवतियों के साथ देह व्यापार का धंधा ज़ोरों पर, एक्यम स्पा बना अय्याशी का अड्डा!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। शहर के पॉश बोडकदेव इलाके से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने कानून व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि पुलिस स्टेशन से महज कुछ दूरी पर स्थित ह्यएक्यम स्पाह्व नामक सेंटर में ह्यथेरेपीह्व की आड़ में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। सूत्रों के अनुसार, यह स्पा सेंटर केवल नाम का स्पा नहीं, बल्कि कथित रूप से एक संगठित नेटवर्क के रूप में काम कर रहा था। यहां आने वाले ग्राहकों को ह्यस्पेशलह्व और ह्यएक्सक्लूसिवह्व सेवाओं का लालच दिया जाता था, जो सामान्य से-वाओं से कहीं आगे की बताई जा रही हैं।

बताया जा रहा है कि इस पूरे नेटवर्क में बाहरी देशों की युवतियों की संलिप्तता भी हो सकती है। यदि यह तथ्य सही साबित होता है, तो यह मामला न केवल अवैध गतिविधियों बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर

के नेटवर्क से जुड़ सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी गतिविधि उस क्षेत्र में संचालित होने की चर्चा है, जो पुलिस निगरानी के दायरे में आता है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या संबंधित एजेंसियां इससे अनजान थीं या फिर कहीं न कहीं गंभीर चूक हुई है। सूत्र यह भी दावा कर रहे हैं कि इस पूरे मामले में अवैध आर्थिक लेन-देन की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, इन सभी आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और प्रश-ासन से सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो शहर की छवि और सुरक्षा दोनों प्रभावित होंगी।

इस पूरे मामले के उठते बड़े सवाल

- क्या स्पा की आड़ में लंबे समय से संगठित अनैतिक कारोबार चल रहा था?
- क्या पुलिस को इसकी जानकारी थी या यह निगरानी की बड़ी विफलता है?
- क्या विदेशी युवतियों के दस्तावेज और अनुमति वैध हैं?
- क्या इस नेटवर्क के पीछे बड़े प्रभावशाली लोग शामिल हैं?
- क्या इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी?

नजरें अब प्रशासन पर

अब यह देखना अहम होगा कि उच्च अधिकारी इस गंभीर मामले को किस स्तर पर लेते हैं। यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो शहर में चल रहे ऐसे नेटवर्क का बड़ा खुलासा हो सकता है। वहीं, यदि कार्रवाई नहीं हुई तो यह मामला पुलिस व्यवस्था पर अविश्वास को और गहरा कर सकता है।

पकवान ओवरब्रिज पर भीषण हादसा

टक्कर के बाद कार के बोनट में फंसी बाइक को घसीटता रहा चालक, एक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। यहां के एसजी राजमार्ग स्थित पकवान ओवरब्रिज पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। तेज गति से आ रही एक कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक कार के अगले हिस्से में फंस गई, इसके बावजूद चालक वाहन रोकने के बजाय उसे काफी दूरी तक घसीटता हुआ ले गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरोदा क्षेत्र निवासी 47 वर्षीय कमलेश पंखानिया ओवरब्रिज से गुजर रहे थे। इसी दौरान थलतेज से सरखेज की ओर जा रही एक तेज रफ्तार फॉक्सवैगन कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना के बाद का दृश्य अत्यंत भयावह था, जिसमें बाइक कार के बोनट और इंजन में फंसी हुई दिखाई दी, फिर भी चालक मौके से फरार हो गया। इस हादसे में कमलेश पंखानिया गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सीने, कमर, सिर और माथे पर गहरी चोटें आई हैं। साथ ही दोनों पैरों में फ्रैक्चर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने आपातकालीन सेवा को सूचना दी और घायल को उपचार के लिए सोला सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से हालत नाजुक होने के कारण उन्हें आगे उपचार हेतु निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद यातायात पुलिस ने अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

विशेष जांचः नारोल-वटवा क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर उठते सवाल

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित नारोल और वटवा इलाकों में कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चचाओं का माहौल है कि इन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सूत्रों के हवाले से कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक मानी जा रही है।

कथित प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका पर सवाल

क्षेत्र में यह चर्चा है कि कुछ प्रभावशाली लोग पुलिस व्यवस्था पर अनुचित दबाव बना रहे हैं। एक व्यक्ति विशेष का नाम सामने आ रहा है, जिस पर आरोप है कि वह स्थानीय तंत्र पर प्रभाव डाल रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही संबंधित पक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने आई है। नारोल और वटवा क्षेत्र में अवैध शराब और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। विभिन्न स्थानों पर ऐसे अड्डों के संचालन की चर्चा है, जिन पर समय-समय पर कार्रवाई की मांग उठती रही है। हालांकि पुलिस द्वारा इन मामलों में क्या कार्रवाई की गई है, इस पर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

नशीले पदार्थों को लेकर बढ़ती आशंका

स्थानीय स्तर पर यह भी आशंका जताई जा रही है कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों का प्रसार बढ़ रहा है। यदि यह सत्य है, तो यह स्थिति युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकती है। इस दिशा में सख्त निगरानी और कार्रवाई की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

जनसुरक्षा को लेकर सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अवैध गतिविधियों पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में गंभीर घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे मामलों में जवाबदेही तय करना और पारदर्शी जांच करना अत्यंत आवश्यक है। नारोल और वटवा क्षेत्र से सामने आ रही इन चचाओं और आरोपों को लेकर अब प्रशासन और उच्च अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आवश्यकता है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच हो, ताकि सच्चाई सामने आ सके और यदि कोई दोषी है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सके।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➢ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।
➢ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।
➢ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो
पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने
मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008
मो.: 9638877700,9662420070
mahanagarmetro7@gmail.com

विद्या समीक्षा केंद्र में राज्य के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित

13.96 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 354 करोड़ रुपये की सहायता

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। यहां स्थित विद्या समीक्षा केंद्र में राज्य के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें लाखों विद्यार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नमो लक्ष्मी योजना, नमो सरस्वती विज्ञान साधना योजना, मुख्यमंत्री ज्ञान साधना मेधा छात्रवृत्ति योजना तथा मुख्यमंत्री ज्ञान सेतु मेधा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 13.96 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 354 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की गई। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 से अब तक कुल 27.61 लाख विद्यार्थियों को 1871.71 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की जा चुकी है। नमो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 से अब तक 11 लाख से अधिक छात्राओं को 1438.06 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही मार्च 2026 तक 80 प्रतिशत उपस्थिति रखने वाली छात्राओं को 200 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार नमो सरस्वती विज्ञान साधना योजना के अंतर्गत 1.5 लाख से अधिक विज्ञान वर्ग की छात्राओं को 220 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है, जबकि आगामी चरण में 80 प्रतिशत उपस्थिति रखने वाली छात्राओं को 60 करोड़ रुपये से अधिक दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ज्ञान साधना मेधा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत अब तक 75 हजार छात्राओं को 119.1 करोड़ रुपये से

अधिक की सहायता दी जा चुकी है तथा द्वितीय चरण के लिए 57 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ज्ञान सेतु मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत 90 हजार विद्यार्थियों को 94.55 करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए गए हैं, जबकि आगामी चरण में 36 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जाएगी। राज्य में विद्यार्थियों में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के अंतर्गत भी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को उनके नवाचार अथवा उद्यम विचारों के लिए 20 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है। हाल ही में गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस कार्यक्रम के दौरान 110 विद्यार्थियों को 3.22 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई, जबकि जिला स्तर पर 735 विद्यार्थियों को 69.68 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। राज्य सरकार की ये योजनाएं केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को भी सुदृढ़ कर रही हैं। यह पहल राज्य में शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में एक मजबूत आधार स्थापित कर रही है।

खेतों में सो रहे किसानों के कान काटकर लूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। जिले की ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा ने एक ऐसे खतरनाक गिरोह का पदार्फाश किया है, जो पिछले आठ महीनों से ग्रामीण क्षेत्रों में आतंक का कारण बना हुआ था। यह गिरोह रात के समय खेतों में फसलों की रखवाली कर रहे किसानों और मजदूरों को निशाना बनाता था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह गिरोह साणंद, चांगोदर और केरल औद्योगिक क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर सक्रिय था। आरोपी रात के समय खेतों में सो रहे किसानों एवं महिलाओं पर हमला करते थे। वे अत्यंत क्रूर तरीके से सोते हुए लोगों के कान काटकर उनके सोने के आभूषण जैसे बालियां और चूड़ियां लूट लेते थे। इन घटनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में भय का वातावरण व्याप्त

हो गया था। लगातार बढ़ रही वारदातों को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा ने एक विशेष कार्ययोजना तैयार की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी दृश्य और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों तक पहुंच बनाई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी दशरथ उर्फ दशो देवीपूजक तथा संजय कोडारिया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने साणंद गांव, साणंद औद्योगिक क्षेत्र, केरल और चांगोदर क्षेत्रों में की गई कई लूट की घटनाओं को स्वीकार किया है। इस प्रकरण में एक अन्य आरोपी प्रकाश रतिलाल देवीपूजक अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई आभूषण सामग्री भी बरामद की है। कुल 6 लाख 69 हजार 771 रुपये मूल्य के सोने एवं चांदी के आभूषण, जिनका कुल वजन 57 ग्राम से अधिक है, जब्त किए गए हैं। ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा ने आगे की विधिक कार्रवाई के लिए दोनों आरोपियों को साणंद नगर पुलिस थाने के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं।

विरासत में मिली कृषि भूमि के बंटवारे पर अब मात्र 300 रुपये की शुल्क...!

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। राज्य सरकार ने किसानों और आम नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए विरासत में मिली कृषि भूमि के बंटवारे को सस्ता और सरल बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में लिए गए इस जनहितकारी फैसले के तहत अब जंत्री आधारित उच्च शुल्क के स्थान पर केवल 300 रुपये की नाममात्र शुल्क देनी होगी, जिससे राज्य के 56 लाख से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। यह राहत गुजरात स्टाम्प अधिनियम 1958 की धारा 9 के अंतर्गत राज्य सरकार को प्राप्त अधिकारों के आधार पर दी गई है। इस निर्णय में किसान संगठनों और सामाजिक प्रतिनिधियों की मांगों को ध्यान में रखा गया है। नए प्रावधान के अनुसार, विरासत पंजीकरण के अंतर्गत संयुक्त अधिकारधारकों के बीच

अधिकार परिवर्तन, नाम दर्ज कराने अथवा संपत्ति के बंटवारे जैसे सभी मामलों में केवल 300 रुपये की शुल्क देनी होगी। यह सुविधा सीधे वंशजों जैसे पिता-पुत्र, दादा-पोते के साथ-साथ उनकी अनुपस्थिति में भाई-बहन जैसे अन्य पारिवारिक सदस्यों के बीच होने वाले लेन-देन पर भी लागू होगी। एक या एक से अधिक चरणों में अधिकार प्राप्त करने, नाम दर्ज कराने या संपत्ति विभाजन की प्रत्येक प्रक्रिया के लिए अलग-अलग 300 रुपये की शुल्क निर्धारित की गई है। यह प्रावधान विशेष रूप से कृषि भूमि से जुड़े मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इस निर्णय से किसानों को अब विरासत में मिली भूमि के बंटवारे में लगने वाले भारी खर्च से मुक्ति मिलेगी। पहले अधिक शुल्क के कारण अनेक परिवार कानूनी पंजीकरण से बचते थे, जिससे विवाद और न्यायालयी मामले बढ़ जाते थे। अब कम शुल्क होने से लोग विधिक प्रक्रिया अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी। परिवार के भीतर संपत्ति विभाजन की प्रक्रिया सरल होने से भविष्य में आपसी विवादों और न्यायालयी मामलों में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।

कर्मचारियों-पेंशनरों को मिलेगा जल्दी इंसाफ

हाई कोर्ट के फैसले को 45 दिनों के अंदर लागू करना ज़रूरी

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। राज्य में हाई कोर्ट के फैसलों को लागू करने में देरी को रोकने के लिए फाइनेंस डिपार्टमेंट की तरफ से एक जरूरी सर्कुलर जारी किया गया है। कर्मचारियों और पेंशनरों से जुड़े कोर्ट केस में अक्सर होने वाली देरी को ध्यान में रखते हुए अब एक टाइम-बाउंड प्रोसेस लागू किया गया है। कोर्ट की अवमानना की स्थिति से बचने के लिए सभी डिपार्टमेंट को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

फाइनेंस डिपार्टमेंट को 8 दिनों के अंदर प्रपोजल जमा करना होगा

सर्कुलर के मुताबिक, अब हाई कोर्ट के किसी भी फैसले को ज्यादा से ज्यादा 45 दिनों के

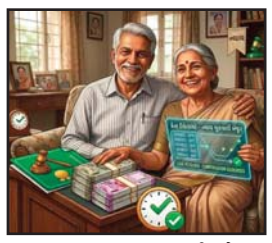

अंदर लागू करना जरूरी होगा। संबंधित डिपार्टमेंट को फैसला मिलने के 12 दिनों के अंदर अपनी राय भेजनी होगी, जबकि फाइनेंस डिपार्टमेंट को प्रपोजल जमा करने के लिए 8 दिन तय किए गए हैं। उसके बाद, डिपार्टमेंट के हेड को 10 दिनों के अंदर प्रपोजल का वेरिफिकेशन पूरा करना होगा और 15 दिनों के अंदर आखिरी फैसला लेना जरूरी होगा। अगर फैसला निपटाया नहीं जाता है, तो संबंधित डिपार्टमेंट को कोर्ट में अप्लाई करना होगा। अगर तय समय सीमा के अंदर फैसले का निपटारा करना मुमकिन नहीं है, तो संबंधित डिपार्टमेंट को समय बढ़ाने के लिए कोर्ट में जरूरी अप्लाई करना होगा। इस प्रोसेस के जरिए बेवजह की देरी को रोकने और न्यायिक प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी लाने की कोशिश की गई है।

कर्मचारियों और पेंशनर्स को जल्दी न्याय मिलेगा

फाइनेंस डिपार्टमेंट के इस सर्कुलर से अब कर्मचारियों और पेंशनर्स को लंबे समय से पेंडिंग मामलों में जल्दी न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ गई है, और सरकारी विभागों की अकाउंटेबिलिटी भी ज्यादा पक्की होगी।

सरखेज में बंद कार से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, हाथ पर 'कोमल-मिलन' का टैटू

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। यहां के सरखेज क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक बंद खड़ी लग्जरी कार में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरखेज क्षेत्र में एक इमारत के पास पिछले कई महीनों से एक लग्जरी कार खड़ी थी। आसपास से गुजर रहे लोगों को अचानक कार से तेज दुर्गंध आने पर संदेह हुआ, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके

पर पहुंचकर वाहन को खोला तो अंदर एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, हालांकि उसके हाथ पर ह्यकोमलह्न और ह्यमिलनह्न नाम का टैटू बना हुआ मिला है। प्रारंभिक जांच में शव की स्थिति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि व्यक्ति की मृत्यु लगभग दो दिन पूर्व हुई होगी। जिस कार में शव मिला, वह करीब आठ महीने से वहीं खड़ी बताई जा रही है, जिससे मामला और अधिक संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

किसी की मौत के बाद अंतिम संस्कार के समय 'श्रीमद् भगवद् गीता' क्यों पढ़ी और दी जाती है?

महानगर मेट्रो

किसी की मौत के बाद दुखी परिवार को 'श्रीमद् भगवद् गीता' देने की परंपरा सिर्फ. एक धार्मिक रस्म नहीं है, बल्कि इसके पीछे बहुत गहरे साइकोलॉजिकल, स्पिरिचुअल और जीवन से जुड़े मकसद हैं। यह परंपरा हमें सिखाती है कि मौत के समय दुनियावी चीजों से ज्यादा अंदर का ज्ञान कीमती होता है। मौत के समय परिवार बहुत ज्यादा सदमे और दर्द में होता है। गीता का मुख्य संदेश यह है कि आत्मा अमर है। भगवान कृष्ण अर्जुन को समझाते हैं कि जैसे इंसान पुराने कपड़े छोड़कर नए कपड़े पहनता है, वैसे ही आत्मा भी पुराना शरीर छोड़कर नया शरीर पहनती है। यह ज्ञान दुखी व्यक्ति को यह समझने में मदद करता है कि मौत अंत नहीं है, बल्कि आत्मा का एक नया सफर है। इस सच को मानने से व्यक्ति को असहनीय दुख से बाहर निकालने की मानसिक शक्ति मिलती है। गीता हमें 'स्थितप्रज्ञ' होना सिखाती है, यानी सुख-दुख, फायदा-नुकसान, और जीवन-मृत्यु में बराबर रहना। जब कोई परिवार किसी अपने को खो देता है, तो उनका मन अस्थिर हो जाता है। गीता जीवन की जरूरत को समझाती है और उन्हें फिर से अपने फर्ज. के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करती है। मौत के बाद होने वाले दर्द का मुख्य कारण 'मोह' है। गीता इस अज्ञानता को दूर करती है। गीता को समर्पित करने का मतलब परिवार को यह समझाना है कि यह दुनिया नश्वर है। जब हम इस सच को मान लेते हैं, तो मन से 'पकड़' छूट जाती है और इंसान को शांति महसूस होती है। फूल या दूसरी चीजें थोड़े समय में नष्ट हो जाती हैं, लेकिन गीता का ज्ञान हमेशा रहने वाला होता है। यह दुखी इंसान को अंदर की ताकत देता है। यह मरने वाले को श्रद्धांजलि देने के बजाय, पीछे छूटे लोगों को "जीने का एक नया नजरिया" देता है। गीता सिखाती है कि फल की चिंता किए बिना अपना फर्ज. निभाना चाहिए। जब मौत के बाद परिवार अपनी ज़िम्मेदारियों से हिल जाता है, तो गीता उन्हें याद दिलाती है कि जो चला गया, वह वापस नहीं आएगा, लेकिन जो अभी हमारे पास है (ज़िंदगी और ज़िम्मेदारियाँ) उसे ईमानदारी से जीना ही सबसे बड़ा अच्छा काम है।

भक्ति का असली रूप: कर्म ही पूजा है

आजकल, लोगों की भक्ति सिर्फ. मंदिरों और मालाओं तक ही सीमित रह गई है। लेकिन गीता का असली सार 'कर्म योग' है। अगर हम बिना किसी स्वार्थ के कमजोर और जरूरतमंदों की सेवा करें, कभी किसी का मन न दुखाएं, जो हमारा नहीं है उसका लालच न करें, और ईमानदारी से पसीना बहाकर पैसा कमाएं, तो हर अच्छा काम एक जीती-जागती प्रार्थना बन जाता है। गीता हमें समझाती है कि भक्ति का मतलब भगवान को ढूंढना नहीं, बल्कि भगवान जैसा जीवन जीना है। अलग से माला फेरने की जरूरत नहीं है, अगर आपके कामों में सच्चाई और दया है, तो आप सच में कृष्ण के रास्ते पर हैं। मुसीबत भगवान का एक प्लान है। जब ज़िंदगी में आपके साथ धोखा हो या अचानक कोई दुख हो, तो हारने के बजाय उसे कृष्ण को सौंप दें। जैसे कुम्हार मिट्टी को गूंथकर उसे आकार देता है, वैसे ही भगवान हमें मुश्किलों से गुजरकर मजबूत बनाते हैं। आपका दुख अंत नहीं है, बल्कि यह आपको किसी बड़ी सफलता या जीवन के ऊँचे मुकाम के लिए तैयार करने का एक प्रोसेस है। संक्षेप में, गीता कोई आम किताब नहीं है, बल्कि कृष्ण का अर्जुन से कहा गया एक डायलॉग है। जैसे कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में निराशा में डूबे अर्जुन को ज्ञान दिया और उसे फिर से ज़िंदा किया, वैसे ही गीता आज दुखी परिवार के लिए 'काउंसलिंग' की तरह काम करती है। यह अंधेरे में ज्ञान का दीया जलाती है। मौत के समय गीता भेंट करना सिर्फ.एक परंपरा नहीं है, बल्कि यह परिवार को दुख को शांति और अज्ञान को ज्ञान में बदलने और अपने जीवन को सार्थक बनाने की हिम्मत भी देता है। जिस व्यक्ति के कर्म सच्चाई और दया पर आधारित होते हैं, भगवान खुद उसकी रक्षा करते हैं। मौत जीवन का अंत नहीं है, बल्कि कर्मों के हिसाब में एक नई शुरूआत है।

-दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट)

रघुनाथ मंदिर में मनाया रामजन्मोत्सव

महानगर मेट्रो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। शहर के बड़ा तख्ता स्थित श्री रघुनाथ जी मंदिर में रामनवमी का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित रामजन्मोत्सव में भजन रसिकों द्वारा एक से बढ़कर एक बधाई भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे पूरे परिसर में भक्ति का वातावरण बन गया। कार्यक्रम में मोहन लाल सोनी, लक्ष्मीकांत खंडेलवाल (जयपुर), उन्नति शर्मा (बूंदी), महेश (जग्गू) सोनी, संजय अग्रवाल, रामु सोनी, किशन सोनी, कानू सोनी और मुन्ना नामा ने भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान राजेंद्र जी गोयल द्वारा नवमी झांकी सेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ककोड़ वाले बालकिशन जी महाराज की विशेष उपस्थिति रही, जिनके सानिध्य में श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में कमल जी सोनी, डीएसपी मृत्युंजय शर्मा, सीआई भंवर लाल, डॉ. राजीव बंसल, सुनील बंसल, अतुल, मोनू छामुनिया, बीना छामुनिया सहित सैकड़ों धर्मप्रेमी मौजूद रहे। पूरे आयोजन में भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

ऑयल इम्पोर्ट 89%पार: ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर सवाल

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावों के बीच हालिया आंकड़े और रिपोर्टें चिंताजनक तस्वीर पेश कर रही हैं। कच्चे तेल के आयात का स्तर जहां पहले 77 प्रतिशत के आसपास था, वहीं अब इसके 89 प्रतिशत तक पहुंचने के दावे सामने आ रहे हैं। ऐसे में यह बहस तेज हो गई है कि क्या देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य से दूर जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओएनजीसी, जिसे देश की ऊर्जा रीढ़ माना जाता है, उसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। विभिन्न रिपोर्टों और टिप्पणियों में यह संकेत मिला है कि तेल और गैस कुओं के रखरखाव, प्रबंधन और उत्पादन क्षमता को लेकर चुनौतियां सामने आई हैं। इससे घरेलू उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्य चिंताएं

- कच्चे तेल के आयात में बढ़ती निर्भरता
- घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट
- सार्वजनिक कंपनियों के प्रबंधन पर सवाल

केजी बेसिन से जुड़े निवेश और उत्पादन को लेकर भी चर्चा तेज है। कृष्णा गोदावरी बेसिन में किए गए बड़े निवेश और उससे अपेक्षित उत्पादन के बीच अंतर को लेकर विभिन्न पक्षों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, इस क्षेत्र में किए गए निवेश के परिणामों का व्यापक मूल्यांकन आवश्यक बताया जा रहा है। इस पूरे मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर में नीति, निवेश और प्रबंधन के स्तर पर स्पष्टता होना बेहद जरूरी है, ताकि देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उठते बड़े सवाल

- क्या आयात पर बढ़ती निर्भरता ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है?
- क्या घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं?
- क्या बड़े निवेशों का अपेक्षित परिणाम मिल रहा है?

नजरें अब नीति निर्धारकों पर टिकी हैं कि वे इन सवालों पर किस प्रकार जवाब देते हैं और भविष्य की रणनीति क्या तय की जाती है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तभी संभव है, जब उत्पादन, प्रबंधन और पारदर्शिता—तीनों स्तरों पर संतुलित और प्रभावी कदम उठाए जाएं।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026: माइनॉरिटी वोट बना 'किंगमेकर', तृणमूल आगे लेकिन मुकाबला कड़ा

महानगर मेट्रो

कोलकाता। राज्य की चुनावी राजनीति में अल्पसंख्यक वोटरों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भी यही सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभर रहा है। राज्य की कुल आबादी का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखने वाला यह वोट बैंक कई सीटों पर सीधे जीत-हार तय करता है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस वोट के रुझान को समझे बिना बंगाल चुनाव की तस्वीर अधूरी है। वरिष्ठ पत्रकारिता दौर के अनुभवों में भी यह बात सामने आई कि जब तक अल्पसंख्यक वोट एकजुट नहीं होता, सत्ता परिवर्तन मुश्किल होता है—और यह ट्रेंड आज भी काफी हद तक कायम है।

लेफ्ट से तृणमूल तक: बदलता वोट बैंक

एक समय था जब यह वोट बैंक लेफ्ट फ्रंट के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ था। भूमि सुधार और पंचायत व्यवस्था ने इन्हें मजबूत आधार दिया। बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने खासकर मालदा और मुर्शिदाबाद में इस वोट पर प्रभाव बनाया। लेकिन पिछले एक दशक में, ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस इस वोट का मुख्य केंद्र बन गई है। वेलफेयर योजनाएं, सुरक्षा का संदेश और रणनीतिक वोटिंग इसके पीछे बड़ी वजहें रही हैं।

माइनॉरिटी वोट के 3 बड़े ट्रेंड

- **एकजुटता:** कई सीटों पर एकतरफा झुकाव, सीधे परिणाम तय
- **स्ट्रेटेजिक वोटिंग:** जीतने वाले उम्मीदवार को सपोर्ट
- लोकल फैक्टर: इमाम, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नेताओं का प्रभाव

क्षेत्रवार चुनावी समीकरण

कोलकाता और दक्षिण बंगाल
यहां तृणमूल कांग्रेस का मजबूत दबदबा है, खासकर माइनॉरिटी और महिला वोटरों के कारण।

जंगलमहल (पुरुलिया, बांकुरा, झारग्राम)
यह स्विंग जोन है, जहां मुकाबला बराबरी का हो सकता है।

उत्तर बंगाल
यहां भारतीय जनता पार्टी मजबूत स्थिति में है, क्षेत्रीय मुद्दे अहम हैं।

मालदा-मुर्शिदाबाद
तीन-तरफा मुकाबला, जहां वोट बंटने की संभावना सबसे ज्यादा है।

चुनाव के बड़े मुद्दे
आने वाले चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कई बड़े मुद्दों की परीक्षा भी होंगे—भर्ती घोटाले और भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, केंद्र-राज्य टकराव, विकास बनाम वेलफेयर राजनीति और धार्मिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दे मतदाताओं को प्रभावित करेंगे।

संभावित सीट समीकरण

- तृणमूल कांग्रेस: 190–230 सीटें
- भाजपा: 60–100 सीटें (करीबी मुकाबले की स्थिति में)
- तृणमूल: 160–190 सीटें
- भाजपा: 100–130 सीटें

नतीजे तय करेंगे स्विंग सीट और वोट का बंटवारा

मौजूदा राजनीतिक माहौल में तृणमूल कांग्रेस बढ़त बनाए हुए दिख रही है, लेकिन भाजपा भी लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। कांग्रेस और लेफ्ट कुछ क्षेत्रों में असर डाल सकते हैं, लेकिन मुख्य लड़ाई दो पार्टियों के बीच ही सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनाव का अंतिम परिणाम माइनॉरिटी वोट के एकजुट या विभाजित होने, स्विंग सीटों के रुझान और आखिरी समय के राजनीतिक माहौल पर निर्भर करेगा। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल का यह चुनाव बेहद रोमांचक और निर्णायक होने वाला है।

महाराष्ट्र की राजनीति में 'वीडियो कांड' से भूचाल, मंत्री पर बढ़ा दबाव; साजिश या सच्चाई?

वायरल कथित वीडियो से सियासत में उबाल, विपक्ष की जांच व कार्रवाई की मांग; सत्ता पक्ष ने साजिश और तकनीकी छेड़छाड़ की आशंका जताई

महानगर मेट्रो

मुंबई, (पवन माकन)। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े विवाद के केंद्र में है। इस बार मामला किसी नीति या फैसले का नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित आपत्तिजनक वीडियो से जुड़ा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि झिरवाल से संबंधित बताए जा रहे इस वीडियो ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। जहां विपक्ष इसे नैतिकता का मुद्दा बना रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे छवि खराब करने की साजिश बता रहा है।

क्या है पूरा मामला?
पिछले कुछ समय से एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसके बारे में दावा किया जा रहा है कि यह मंत्री के सरकारी निवास का है। वीडियो में कथित रूप से मंत्री को आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया जा रहा है। हालांकि, इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और इसकी सत्यता जांच के दायरे में है।

विपक्ष का हमला
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षा होती है। विपक्ष ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और स्थिति स्पष्ट होने तक मंत्री पद से हटने पर विचार किया जाए।

विपक्ष के प्रमुख सवाल

- क्या मंत्री को जांच पूरी होने तक पद पर बने रहना चाहिए?
- क्या सरकार इस मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करेगी?
- क्या यह मामला सार्वजनिक पद की मर्यादा से जुड़ा नहीं है?

सत्ता पक्ष की दलील
सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि बिना जांच के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनका तर्क है कि वर्तमान समय में तकनीकी माध्यमों से वीडियो के साथ छेड़छाड़ संभव है, इसलिए किसी भी दावे की पुष्टि वैज्ञानिक जांच के बाद ही की जानी चाहिए।

साजिश या तकनीकी छेड़छाड़?
राजनीतिक हलकों में इस बात की भी चर्चा है कि यह मामला किसी बड़े राजनीतिक षड्यंत्र या दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। कुछ लोग इसे संभावित ब्लैकमेलिंग या हाइनी-ट्रैप्ड से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि अन्य तकनीकी जांच की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

जांच के अहम बिंदु

- वीडियो की फोरेंसिक जांच
- स्रोत और प्रसार की जांच
- डिजिटल छेड़छाड़ या कृत्रिम निर्माण की संभावना

आगे क्या?
मामले को लेकर जांच एजेंसियों और साइबर इकाइयों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यदि यह विवाद आगे बढ़ता है, तो इसका असर राज्य की राजनीति और आगामी सत्र पर भी पड़ सकता है।

संपादकीय टिप्पणी
लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का आचरण पारदर्शी होना चाहिए। साथ ही, किसी भी आरोप की पुष्टि से पहले निष्पक्ष जांच आवश्यक है। इस मामले में भी संतुलित दृष्टिकोण और तथ्यों पर आधारित निर्णय ही उचित होगा।

संसद परिसर में 'सिलेंडर' वाला विरोध: टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन का अनोखा प्रदर्शन, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई और घरेलू रसोई गैस की आसमान छूती कीमतों के खिलाफ आज संसद परिसर में विरोध का एक अनोखा रंग देखने को मिला। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन आज एक विशेष रूप से डिजाइन की गई सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे। इस टी-शर्ट पर एलपीजी सिलेंडर की तस्वीर छपी थी, जो सरकार के प्रति उनके कड़े विरोध को दर्शा रही थी।

अनोखे अंदाज में घेराव: संसद के गेट नंबर 1 के पास खड़े होकर डेरेक ओ ब्रायन ने मीडिया और अन्य सांसदों का ध्यान खींचा। उनकी टी-शर्ट पर एलपीजी सिलेंडर के बढ़ते दामों का उल्लेख था। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के

लिए अब दो वक्त का खाना बनाना भी दूभर हो गया है। सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने गृहणियों के बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

विपक्ष का एकजुट प्रहार
यह प्रदर्शन केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि सदन के अंदर होने वाले हंगामे की एक पूर्व सूचना भी थी। टीएमसी सांसदों के साथ-साथ अन्य विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाई। विपक्षी नेताओं का कहना है कि सरकार बुनियादी सुविधाओं के दाम बढ़ाकर आम जनता का शोषण कर रही है। संसद में गूंजेगी महंगाई की गूंज डेरेक ओ ब्रायन के इस कदम ने सोशल मीडिया से लेकर गलियारों तक चर्चा छेड़ दी है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि टीएमसी इस मुद्दे के जरिए आगामी चुनावों से पहले महंगाई को एक बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में है। लोकतंत्र में विरोध के स्वर जब तक रचनात्मक और प्रभावशाली होते हैं, तब तक वे जनता की आवाज बनते हैं। डेरेक ओ ब्रायन की यह टी-शर्ट महज एक परिधान नहीं, बल्कि महंगाई से त्रस्त जनता का संदेश है।

नीमगोरिया क्षेत्रपाल मंदीर ट्रस्ट के तत्वाधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन 4 अप्रैल से

महानगर मेट्रो

भीनमाल। शहर के जाकोब तालाब स्थित नीमगोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में 4 से 10 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस सात दिवसीय कथा महायज्ञ में श्रद्धालुओं को अभयदास महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत महापुराण के अमृतमय प्रवचनों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर

2:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 4 अप्रैल शनिवार को प्रातः 8:30 बजे गायत्री शक्तिपीठ से निकलने वाली भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा में भाग लेने वाली महिलाओं (मातृशक्ति) को आवश्यक सामग्री शक्तिपीठ से ही उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजन समिति के प्रवक्ता ने बताया कि यात्रा में भाग लेने हेतु पंजीकरण अनिवार्य है, जिसकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। इस आयोजन को लेकर शुक्रवार को नीमगोरिया ट्रस्ट की बैठक स्थानीय कार्यालय में आयोजित की गई।

उत्तर प्रदेश के गाँवों की गूँज: प्रगति का पथ और परिवर्तन का प्रकाश

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश की आत्मा इसके गांवों में बसती है और पिछले नौ वर्षों का कालखंड इस सत्य का साक्षी रहा है कि जब नीतिगत स्पष्टता और धरातलीय क्रियान्वयन का संगम होता है, तो दशकों की जड़ता भी गतिशीलता में बदल जाती है। 2017 से 2026 के मध्य उत्तर प्रदेश ने 'बीमारू' राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए ग्रामीण विकास के उन प्रतिमानों को स्थापित किया है, जिन्हें आज नीति आयोग के 'डेल्टा रैंकिंग' और 'बहुआयामी गरीबी सूचकांक' में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रिपोर्टों के साथ समन्वय करते हुए भारत के गरीबी सूचकांक बताते हैं कि उत्तर प्रदेश ने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है, जिसका सर्वाधिक लाभ ग्रामीण अंचलों को मिला है। यह परिवर्तन केवल सांख्यिकीय सुधार नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन के हर आयाम—चाहे वह बिजली हो, सड़क हो, स्वास्थ्य हो या सुरक्षा—में आया एक बुनियादी बदलाव है। ग्रामीण उत्थान की इस गाथा का सबसे दृश्य स्तंभ बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीसरे चरण के सफल क्रियान्वयन के साथ उत्तर प्रदेश ने अपने ग्रामीण पथों को एक नई पहचान दी है। पिछले नौ वर्षों में राज्य ने लगभग 32,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण सुनिश्चित किया है। इन सड़कों ने न केवल कृषि उत्पादों के लिए 'फार्म-टू-मार्केट' पहुंच को सुगम बनाया, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने की बाधाओं को भी समाप्त किया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में मंडी परिषद् और लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़कों का जाल सुदूरवर्ती मजरों को जिला मुख्यालयों से जोड़ रहा है। परिवहन की इस सुगमता ने रसद लागत को कम किया है, जिससे छोटे किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि दर्ज की गई है। ऊर्जा के क्षेत्र में 'सौभाग्य योजना' और 'दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना' ने उत्तर प्रदेश के ग्रामीण परिदृश्य का अंधेरा छटा दिया है। राज्य सरकार के ऊर्जा सुधारों के फलस्वरूप आज गांवों को रोस्टर

के अनुसार 18 घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल रही है। यह आंकड़ा पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में लगभग दोगुना है। बिजली की इस उपलब्धता ने केवल प्रकाश ही नहीं फैलाया, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविधीकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। अब गांवों में आटा चक्की, वेल्डिंग यूनिट और लघु प्रसंस्करण इकाइयां डीजल जनरेटरों के बजाय सस्ती बिजली पर चल रही हैं। इसके अतिरिक्त, 'कुसुम योजना' के माध्यम से सोलर पंपों के वितरण ने सिंचाई की लागत को न्यूनतम किया है, जिससे किसान अब पारंपरिक फसलों के स्थान पर नकदी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आई क्रांति इस कालखंड की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। 'स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)' के तहत उत्तर प्रदेश ने दो करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण कर स्वयं को खुले में शौच मुक्त घोषित किया और अब 'ओडीएफ प्लस' की दिशा में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्य कर रहा है। इन 'इज्जत घरों' ने न केवल स्वास्थ्य सुधारों में भूमिका निभाई, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को एक नया आयाम दिया। इसी क्रम में 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत 'हर घर जल' योजना ने बुंदेलखंड और विंध्य जैसे जल-संकट वाले क्षेत्रों में जीवन को सरल बनाया है। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में नल कनेक्शन देने की गति देश में सर्वाधिक रही है, जिससे दूषित जल से होने वाली बीमारियों, जैसे जापानी इंसेफेलाइटिस और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के मामलों में 95 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। आर्थिक सशक्तिकरण के मोर्चे पर, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने बिचौलियों की संस्कृति को समाप्त कर दिया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 2.6 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में अब तक हजारों करोड़ रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। यह राशि बुवाई के समय छोटे किसानों के लिए ऋण के जाल से बचने का सबसे बड़ा सहारा बनी है। साथ ही, 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना ने ग्रामीण कारीगरों के पारंपरिक हुनर को आधुनिक बाजार की मांग से जोड़ा है। भदोही के कालीन, कन्नौज के इत्र और मुरादाबाद के पीतल उद्योग को मिले सरकारी प्रोत्साहन ने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित किए हैं, जिससे ग्रामीण युवाओं का बड़े शहरों की ओर होने वाला 'मजबूरी का पलायन' अब 'अवसरों के चुनाव' में बदल रहा है।

- डॉ. शैलेश शुक्ला

राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।

वृष (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)
वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है आपको अपने नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा कार्य में सफलता मिलेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल

लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्त्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दशार्ता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दशार्ता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा-

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मासर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

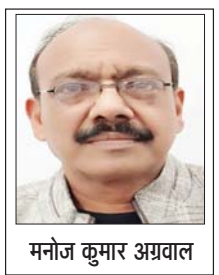

मनोज कुमार अग्रवाल

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्न अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

CMYK

इलाज में लापरवाही, अब अस्पताल को देने होंगे पीड़ित परिवार को 58 लाख रुपये, जानें पूरा मामला

महानगर मेट्रो

दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अहम फैसला दिया है।

मामला इलाज में लापरवाही से जुड़ा था। इसमें अस्पताल को पीड़ित परिवार को 58 लाख रुपये देने होंगे। दो महीने में भुगतान नहीं करने पर ब्याज भी जोड़ा जाएगा।

दिल्ली के अस्पताल को लेकर बड़ा फैसला

नई दिल्ली: मरीजों के अधिकारों के लिए एक अहम फैसले में दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने फोर्टिस, फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल अस्पताल को घोर मेडिकल लापरवाही का दोषी ठहराया और उन्हें एक मृत मरीज के बेटे को 58 लाख से ज्यादा का भुगतान करने का आदेश दिया। यह मामला 2014 में वसंत विहार, कटवरिया सराय गांव के निवासी सचिन की अपने पिता, सुरेश कुमार की मृत्यु के बाद दर्ज कराई गई एक शिकायत से शुरू हुआ था।

जानें पूरा मामला क्या था

सड़क दुर्घटना में लगी चोटों के इलाज के लिए भर्ती होने के बाद अस्पताल में लंबे समय तक रहने के दौरान कुमार को ग्रेड- IV डेक्यूबिटस अल्सर (बेडसोर) हो गए। एक प्लास्टिक सर्जन ने VAC (वैक्यूम असिस्टेड क्लोजर) ड्रेसिंग का इस्तेमाल करने की सलाह दी, जो ऐसे गंभीर घावों के लिए एक मानक इलाज है। बावजूद इसके अस्पताल इस प्रक्रिया को करने में नाकाम रहा। वसंत कुंज के प्रतिवादी अस्पताल ने अपने बचाव में दावा किया कि VAC ड्रेसिंग के उपकरण अस्पताल में उपलब्ध नहीं थे और मरीजके तीमारदारों ने न तो इसके लिए सहमति दी थी और न ही खुद ये उपकरण लाकर दिए थे।

आयोग ने फैसले में कही ये बड़ी बातें

जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल की अध्यक्षता वाले आयोग ने इन दलीलों को कानूनी तौर पर बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया आयोग ने कहा, प्रशासनिक मजबूरियां और उपकरणों की कमी किसी मरीज के जीवन के अधिकार के उल्लंघन को सही नहीं ठहरा सकती गंभीर इलाज को परिवार के सदस्यों से उपकरणों की व्यवस्था करने पर निर्भर बनाना लापरवाही भरा तरीका है। आयोग ने माना कि किसी एक्सपर्ट की सलाह का पालन न करना और गंभीर रूप से बीमार मरीज को छुट्टी दे देना, एक व्यवस्थागत विफलता थी। आयोग ने शिकायतकर्ता को 58 लाख के भुगतान का निजी अस्पताल को निर्देश दिया।

दो महीने में भुगतान नहीं करने पर 6' सालाना की दर से ब्याज

आयोज ने कहा कि इसमें वेरिफाइड मेडिकल खर्च की भरपाई के लिए 47 लाख 74 हजार 467; दर्द, तकलीफ और मानसिक पीड़ा के मुआवजे के तौर पर 10 लाख और मुकदमेबाजी के खर्चों के लिए 50 हजार शामिल है। आयोग ने आदेश दिया कि कुल राशि का भुगतान 22 मई, 2026 तक कर दिया जाए। ऐसा न करने पर, 6' सालाना की दर से ब्याज लगाया जाएगा।

दिल्ली में खतरे से खाली नहीं पार्क में टहलना युवक को रोककर मांगे पैसे, मना करने पर हत्या

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली के बवाना इलाके में लूट का विरोध करने पर एक युवक प्रमोद की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना 25 मार्च देर रात की है। तीन नाबालिगों ने पैसे मांगने पर मना करने से नाराज होकर हमला किया। पुलिस ने सीसीटीवी और तकनीकी जांच की मदद से कुछ ही घंटों में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। नई दिल्ली: बवाना इलाके में लूट का विरोध करने पर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हालांकि पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से कुछ ही घंटे में तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया। डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी के मुताबिक 25 मार्च की देर रात बवाना थाने की पुलिस को चाकू मारने की घटना की सूचना मिली। पुलिस तुरंत ही क्राइम सीन रूब्लॉक पार्क, सेक्टर-3, बवाना पहुंची। वहां कॉल करने वाले मुनीश अली मिले। उन्होंने बताया कि वह एक फैक्ट्री में काम करते हैं और अपने दोस्त प्रमोद के साथ रहते हैं। जब वे एक साथ घर लौट रहे थे, तो तीन अनजान लड़के उनके पास आए और 2000/- रुपये मांगे। मना करने पर आरोपियों और उसके दोस्त प्रमोद के बीच झगड़ा हुआ, जिसके दौरान हमलावरों में से एक ने प्रमोद की गर्दन पर चाकू मार दिया। इसके बाद तीनों मौके से भाग गए। घायल प्रमोद को तुरंत एमवी अस्पताल, पूठ खुर्द ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा

बवाना थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस, CCTV फुटेज एनालिसिस और ह्यूमन इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर तीन नाबालिगों को पकड़ लिया।

मना करने पर झगड़ा

पूछताछ के दौरान एक ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ पार्क में मौजूद था। जब उन्होंने दो लोगों को वहां से गुजरते देखा तो उनके पास आए और पैसे मांगे। मना करने पर झगड़ा हो गया। इसी दौरान एक की गर्दन में घोंप दिया। तीनों नाबालिगों की उम्र 14 से 16 वर्ष है। पुलिस का कहना है कि रोज की तरह शाम 6 बजे फैक्ट्री से छुट्टी हुई थी। वहां से आने के बाद प्रमोद सब्जी लेने गए थे। वहां से लौटते समय पार्क में आरोपियों ने घेर लिया।

दिल्ली पुलिस और टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शूटरों के बीच मुठभेड़, दोनों ओर से जमकर फायरिंग, 2 बदमाश अरेस्ट

महानगर मेट्रो

दिल्ली के बवाना में गैंगवार के दौरान गोलीबारी करके हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में मोस्ट वांटेड शूटरों के साथ दिल्ली पुलिस की मुठभेड़ हुई है। शाहबाद डेरी इलाके के रोहिणी सेक्टर 28 में मुठभेड़ हुई। इसमें दो बदमाश पकड़े गए हैं।

दिल्ली में एनकाउंटर

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस और बदमाशों के बीच भिड़ंत हुई है। मोस्ट वांटेड शूटरों के साथ दिल्ली पुलिस की इस मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हुए हैं। इन्हें नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। क्राइम ब्रांच और टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शूटरों के बीच दोनों तरफ से मुठभेड़ में एक दर्जन से ज्यादा गोलियां चलीं। क्राइम ब्रांच की टीम ने मुठभेड़ के दौरान शूटर कुणाल और उसके साथी को गोली मारी है।

मोस्ट वांटेड शूटरों के साथ पुलिस का एनकाउंटर

बवाना में गैंगवार और गोलीबारी करके हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले मामले में दिल्ली पुलिस का एक्शन हुआ है। मोस्ट वांटेड शूटरों के साथ क्राइम ब्रांच की ये मुठभेड़ हुई। बताया जा रहा कि शाहबाद डेरी इलाके के रोहिणी सेक्टर 28 में एनकाउंटर हुआ है। क्राइम ब्रांच और टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शूटरों के बीच मुठभेड़ में दोनों तरफ से करीब एक दर्जन गोलियां चली।

क्या था पूरा मामला, पुलिस ने बताया

पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में शूटर कुणाल और उसके साथी को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि घायल होने के बाद दोनों बदमाशों को पास के अस्पताल में भेजा गया। शूटरों ने सात दिन पहले बवाना के हरेवली गांव में गैंगवार के कारण फायरिंग की थी। गोगी गैंग से जुड़े रवि भारद्वाज की घर में घुसकर गोलियां मारकर मौत के घाट उतारा था। इस दौरान नाबालिग सहित तीन लोगों को भी गोलियां लगी थी। उसी के बाद से क्राइम ब्रांच की टीम बदमाशों की तलाश कर रही थी।

हर किरण कह रही जय श्रीराम, राम नवमी पर राम लला का सूर्यतिलक से अभिषेक,

महानगर मेट्रो

रामलला के सूर्यतिलक के अवसर पर उनको पीले रंग का वस?त्र पहनाया गया। इस दौरान 14 विशेष पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। सूर्यतिलक से आधे घंटे पहले और आधे घंटे बाद तक वीआईपी पास से एंट्री बंद है। रामनगरी अयोध?या में दूरदराज से आए सैकड़ों श्रद्धालु रामनवमी पर अलौकिक क्षण के साक्षी बने। शुक्रवार दोपहर ठीक 12 बजे रामलला का सूर्यतिलक किया गया। रामलला के ललाट पर सूर्य की किरणें पड़ीं तो गजब का नजारा दिखा। मंदिर में मौजूद श्रद्धालु हर्ष और उल?लास से झूमने लगे। पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। तेज आवाज में बजते घंटों के बीच

भक?तों ने आरती ली रामलला के सूर्यतिलक का दृश?य श्रद्धालुओं ने करीब चार मिनट तक देखा। सूर्य की किरणें परावर्तित होकर भगवान के ललाट पर

पड़कर तिलक के स?वरूप में नजर आ रही थीं। रामलला के सूर्यतिलक का टीवी पर सीधा प्रसारण किया गया। नई दिल?ली में प्रधानमंत्री आवास में बैठे पीएम नरेंद्र मोदी ने लाइव प्रसारण देखा और सूर्यतिलक के मौके पर तालियां बजाईं। इससे पहले चैत्र नवरात्रि अष्टमी के अवसर पर राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में स्थित सूर्य मंदिर में पुजारियों ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार 'ध्वजारोहण' किया। इस दौरान मंदिर के शिखर पर '?' का चिह्न बना एक केसरिया ध्वज फहराया गया। रामलला का सूर्यतिलक करीब चार मिनट तक चला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सूर्यतिलक की इस प्रक्रिया को देखने के साथ ही लोकसभा और राज?यसभा की कार्यवाही पर भी नजर बनाए रखे। सूर्यतिलक के दौरान पीएम मोदी ने रामलला को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सूर्यतिलक की प्रक्रिया में सूर्य की किरणें राम मंदिर के ऊपरी हिस?से से पाइप के माध?यम से प्रवेश करती है। फिर दर्पणों के माध?यम से रिफ्लेक?ट होकर रामलला की मूर्ति के ललाट पर 75 मिमी का गोलाकार तिलक बनाती हैं।

नोएडा: लुहारली टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल से देना होगा बढ़ा हुआ टैक्स, जान लीजिए कितनी हो गई कीमत

महानगर मेट्रो

दादरी स्थित लुहारली टोल प्लाजा पर अब केवल फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से ही टोल जमा किया जाएगा

नोएडा : NHAI की गाइडलाइंस के अनुसार, एक अप्रैल से जीटी रोड स्थित लुहारली टोल प्लाजा पर नए रेट लागू होंगे। टोल टैक्स अब केवल फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से ही जमा किया जाएगा। लुहारली टोल प्लाजा के प्रबंधक बजरंग सैनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए टोल दरों में बढ़ोतरी तय की गई है। लुहारली टोल प्लाजा पर कार और एलएमवी पर एक तरफ के लिए 5 रुपये, वापसी के लिए 10 रुपये और मासिक पास पर 125 रुपये अधिक देने होंगे। एलसीवी और लाइट कमर्शल वीकल पर भी एक तरफ 5 रुपये, वापसी पर 10 रुपये और मासिक पास पर 195 रुपये अधिक वसूले जाएंगे। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नए टोल रेट की सूची जल्द जारी होगी। सूची जारी होने के बाद ही वहां की दरों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। हालांकि वहां भी टोल टैक्स फास्टैग और यूपीआई से ही लिया जाएगा।

केजीपी के अधिकारी उमेश कुमार

बस, ट्रक के लिए वन साइड 15 रुपये बढ़े

बस और ट्रक टू-एक्सल वाहनों के लिए एक तरफ 15 रुपये, वापसी पर 20 रुपये और मासिक पास पर 405 रुपये अधिक देने होंगे तीन से छह एक्सल वाले कमर्शल वाहनों पर एक तरफ 20 रुपये, वापसी पर 30 रुपये और मासिक पास पर 620 रुपये अधिक टोल लगेगा सात या उससे अधिक एक्सल वाले ओवरसाइज वाहनों पर एक तरफ 25 रुपये, वापसी पर 35 रुपये और मासिक पास पर 795 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

ग्रामीणों के मासिक पास में 10 रुपये की बढ़ोत्तरी

टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर दायरे में आने वाले ग्रामीणों के मासिक पास पर 10 रुपये और सालाना पास पर 75 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

15 लेन का है लुहारली टोल प्लाजा

बता दें कि लुहारली टोल प्लाजा के स?थापना के दौरान आठ लेन बनाई गई थी। इससे करीब 30 हजार छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता था। उस समय हमेशा यहां जाम की हालत रहती थी। वाहन चालक कम से कम 20 मिनट तक टोल प्लाजा में फंसे रहते थे। अब यहां सात लेन के विस?तार पर आवागमन शुरू हो गया है। अब कुल यहां 15 लेन हो गई है। इससे लोगों को जाम से राहत मिली है।

हमारी मूल आस्था तौहीद के खिलाफ है वंदे मातरम', सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद बोले मौलाना महमूद मदनी

महानगर मेट्रो

जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी का कहना है कि वंदे मातरम गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सहारनपुर : सुप्रीम कोर्ट ने वंदे मातरम के गायन को लेकर दायर एक याचिका खारिज कर दी है। शीर्ष अदालत का कहना है कि गृह मंत्रालय के सर्कुलर में वंदे मातरम गाना अनिवार्य नहीं बनाया गया है। गीत न गाने पर किसी भी तरह की दंडात?मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं है। इस बीच, जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध?यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने सुप्रीम कोर्ट के रुख पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीयत का स्पष्ट मत है कि वंदे मातरम हमारी मूल आस्था तौहीद के खिलाफ है। इसलिए किसी भी निर्देश के माध्यम से इसे गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। किसी भी नागरिक को उसके धर्म, आस्था और अंतरात?मा क खिलाफ काम करने के लिए मजबूर करना संविधान के खिलाफ है। भारत का संविधान हर व्यक्ति को धार्मिक स?वंतत्रता का

अधिकार देता है। अगर कहीं भी किसी व्यक्ति या संस्था को वंदे मातरम गाने के लिए मजबूर किया जाएगा तो जमीयत चुप नहीं बैठेगी।

मौलाना महमूद मदनी

'संविधान में धार्मिक स्वंतत्रता का पूरा अधिकार'

मदनी की तरफ जारी बयान में कहा गया है कि भारत का संविधान हर नागरिक को धार्मिक स?वतंत्रता का पूरा अधिकार देता है। इसे किसी भी प्रशासनिक आदेश, सरकारी दबाव या सामाजिक दबाव के माध?यम से छीना नहीं जा सकता है।

अदालती लड़ाई की दी चेतावनी

मौलाना महमूद मदनी ने चेतावनी दी कि देश के किसी भी हिस्से में अगर किसी छात्र या संस?था को वंदे मातरम गाने के लिए बाध?य किया गया या उसके धार्मिक और संवैधानिक अधिकारों का उल?लंघन किया गया तो जमीयत कोर्ट जाएगी और अदालती लड़ाई लड़ेगी।

'अल?लाह के अलावा किसी और की इबादत नहीं कर सकते'

गौरतलब है कि मौलाना मदनी पहले भी कई मौकों पर वंदे मातरम को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वंदे मातरम पर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने 2011 और इससे पहले भी काफी बहस की थी। उन?होंने कहा था कि मुसलमान अल?लाह के अलावा इबादत में किसी अन?य को शामिल नहीं कर सकता। वंदे मातरम का मतलब ही है- मां मैं तेरी पूजा करता हूं। यह मुसलमानों के धार्मिक विश्वास के खिलाफ है। किसी को इस्लाम की आस?था के खिलाफ कोई नारा या गीत गाने को मजबूर नहीं कर सकते।

भाजपा का माइनस, सपा का प्लस... अखिलेश का नया गणित और दांव इन 3 जातियों पर

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश में सपा सत्ता से 9 साल से बाहर है, लेकिन 2027 के चुनाव में बीजेपी को हराने का अखिलेश यादव ने नया फॉर्मूला तलाश लिया है. सपा की नजर बीजेपी के कोर वोटबैंक पर है, जिसे माइनस कर सपा को वोट शेयर को प्लस करने की स्ट्रैटेजी बनाई है. पार्टी की नजर बीजेपी के साथ जुड़े तीन जातियों के वोट पर है. उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सियासी दलों के बीच शह-मात का खेल अभी से शुरू हो गया है. बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने की कवायद में है तो सपा अपना दस साल का वनवास खत्म करना चाहती है. ऐसे में अखिलेश यादव ने बीजेपी को चुनाव हराने का फॉर्मूला तलाश लिया है, जिसके लिए सूबे के सियासी पिच पर जातिगत बिसात बिछानी शुरू कर दी है. अखिलेश यादव ने जनवरी में बीजेपी को एक प्रोफेशनल राजनीतिक पार्टी बताते हुए उसे उसके ही तरीके से हराने की बात कही थी. 2024 के लोकसभा चुनाव में जरूर पीडीए फॉर्मूल से बीजेपी को सियासी मात देने में सफल रहे हैं, लेकिन 2027 के लिए अलग रणनीति पर काम कर रहे हैं. 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने मायावती के वोटबैंक को साधने की कवायद की थी, लेकिन 2027 में बीजेपी के वोटबैंक में सेंधमारी का प्लान बनाया है, क्योंकि उन्हें पता है कि बीजेपी को बिना वोट की चोट दिए सत्ता में वापसी संभव नहीं है. ऐसे में सपा की नजर बीजेपी के वोटबैंक बन चुके गुर्जर, निषाद और ब्राह्मण वोटों पर है. इसके लिए अखिलेश यादव ने अपनी एक्सरसाइज शुरू कर दी है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव पश्चिम यूपी से मिशन- 2027 का आगाज करने का प्लान बनाया है. नोएडा के दादरी में 29 मार्च को चुनावी रैली के जरिए गुर्जर समुदाय को साधने की स्टैटेजी बनाई है. 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही सपा का फोकस गुर्जरों के वोटबैंक पर है. पिछले साल अखिलेश यादव ने दिल्ली से गुर्जर चौपाल का आगाज किया था, जिसके बाद पार्टी प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने पश्चिम यूपी के जिलों में गुर्जर समुदाय के बीच कार्यक्रम किए थे. अखिलेश यादव पश्चिम यूपी के सियासी मिजाज को देखते हुए मुस्लिमों के साथ नए गुर्जर समीकरण की कवायद में जुट गए हैं. इस तरह पश्चिमी यूपी में सपा 'आत्मनिर्भर' बन सके. गुर्जर समाज 2014 से बीजेपी का कोर वोटबैंक बन चुका है, जिसके अखिलेश यादव अपने साथ मिलाकर बीजेपी को पश्चिमी यूपी में मात देना चाहते हैं. इसीलिए 2027 के चुनावी अभियान का आगाज गुर्जर बहुल नोएडा से कर रहे हैं. पश्चिम यूपी में गुर्जर समाज की खासी संख्या है, जो किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं. पश्चिम यूपी के गाजियाबाद, नोएडा, बिजनौर, संभल, मेरठ, सहारनपुर, कैराना जिले की करीब दो दर्जन सीटों पर गुर्जर समुदाय निर्णायक भूमिका में है, जहां 20 से 70 हजार के करीब इनका वोट हैं. गुर्जर समुदाय की लीडरशिप को भी अखिलेश आगे बढ़कर सियासी संदेश दे रहे हैं. अखिलेश यादव ने विधायक अतुल प्रधान, राजकुमार भाटी, मुखिया गुर्जर और सांसद इकरा हसन को सपा ने गुर्जर चेहरे के तौर पर आगे बढ़ा रही है.पश्चिम यूपी के मेरठ के मवाना कस्बे में अखिलेश यादव ने गुर्जर समुदाय से आने वाले शहीद धनसिंह कोतवाल की मूर्ति का अनावरण कर पहले ही संदेश दे चुके हैं कि उनकी नजर गुर्जर समाज के वोटों पर है. सपा अगर गुर्जर वोटों में सेंधमारी करने में कामयाब होती है तो बीजेपी के लिए बड़ा झटका होगा. 2027 विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद फूलन देवी की बड़ी बहन रुक्मिणी देवी निषाद को महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है. रुक्मिणी देवी मल्लाह समुदाय से आती हैं, जो बीजेपी के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है. अखिलेश ने बीजेपी को 2027 के चुनाव में चोट देने के लिए फूलन देवी की बहन पर बड़ा दांव खेला है. दलित और पिछड़ी जाति के महिलाओं के बीच फूलन देवी की अपनी लोकप्रियता रही है, जिन्हें मल्लाह समुदाय अपने मसीहा के तौर पर देखा था. सपा की इस कोशिश को फूलन देवी के बहाने सूबे के मल्लाह समुदाय को राजनीतिक संदेश देने के

तौर पर देखा. मल्लाह समुदाय की उपजातियां काची, बिंद, मल्लाह और निषाद समुदाय के बीच काफी लोकप्रिय रहीं. राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक मल्ला समाज, उत्तर प्रदेश में एक महत्वपूर्ण मतदाता है, जिसके चलते यह नियुक्ति की गई है. रुक्मिणी देवी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर निषाद समाज को साधने और पिछले चुनावों में बिखरे वोटों को एकजुट करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है और ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी चुनावों में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है. उत्तर प्रदेश की 50 फीसदी से अधिक पिछड़ी आबादी में तकरीबन 6 फीसद निषाद हैं जो अति पिछड़ी उपजातियों में माने जाते हैं. मोटे तौर पर देखें तो निषादों में 150 से ज्यादा उप जातियां हैं और पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के 18 जिलों में इनकी अच्छी-खासी तादाद है. लेकिन, निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं का दावा है कि राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से उनके समाज का 160 सीटों पर ठीक-ठाक प्रभाव है और इन सीटों पर 60 हजार से लेकर एक लाख तक वोट निषाद समाज का है. गोरखपुर, गाजीपुर, बलिया, संतकबीर नगर, मऊ, मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, इलाहाबाद ,फतेहपुर, सहारनपुर और हमीरपुर जिले में निषाद वोटरों की संख्या अधिक है. निषाद समाज अपने मजबूत वोटबैंक से बड़े राजनीतिक दलों का खेल कई सीटों पर बिगाड़ने की ताकत रखते हैं. बीजेपी ने निषाद वोटों के लिए संजय निषाद की पार्टी के साथ गठबंधन कर रखा है, जिसके सहारे 2022 चुनाव में सफल रही, पर अब सपा ने निषाद समाज की आईकॉन माने जाने वाली फूलन देवी की बड़ी बहन रुक्मिणी देवी निषाद को संगठन में अहम पद सौंपा है. इस तरह से बीजेपी को चोट देने की स्टैटेजी है. अखिलेश यादव की नजर बीजेपी के हार्ड कोर वोटबैंक ब्राह्मण समुदाय पर है. सपा सूबे में ब्राह्मणों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर 'ठाकुर बनाम ब्राह्मणट नैरेटिव सेट करने की रणनीति पर बहुत दिनों से काम कर रही है. अखिलेश यादव ने अपने ब्राह्मण चेहरों को आगे बढ़ाया है, जिसमें माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बना रखा है तो पवन पांडेय, संतोष पांडेय और विनय शंकर तिवारी जैसे ब्राह्मण चेहरों को भी अहम रोल दे रखा है. इसके अलावा बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय को भी पार्टी ने आगे कर दिया है. यूजीसी के नए नियमों से लेकर घूसखोर पंडत, यूपी में ब्राह्मण को अवसरवादी बताना, ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर नोटिस देना और माघ मेले में बटुक ब्राह्मणों की पिटाई ने सपा को ब्राह्मण वोटों का साधने का मौका मिल गया. सपा के ब्राह्मण नेता हिंदुत्व से जुड़े लगभग हर बड़े मुद्दे पर अपनी बात मजबूती से रख रहे हैं और बीजेपी को ब्राह्मण विरोधी कठघरे में खड़े करने की कवायद कर रही है. इस तरह सपा ब्राह्मण और धार्मिक मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत बनाने की है. उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 8 से 10 फीसदी मानी जाती है, लेकिन उनका प्रभाव 110 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर निर्णायक बताया जाता है. बलरामपुर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, जौनपुर, अमेठी, वाराणसी, चंदौली, कानपुर और प्रयागराज जैसे करीब एक दर्जन जिलों में ब्राह्मण आबादी 15 फीसदी से अधिक है.ऐसे में किसी भी दल के लिए इस वर्ग की उपेक्षा राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है. 2022 के विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण मतदाताओं का करीब 89 फीसदी समर्थन बीजेपी को मिला था जबकि सपा को मात्र 6 फीसदी वोट मिल सका था. 2017 में भी भाजपा को इस वर्ग का लगभग 83 फीसदी समर्थन मिला था

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रनवे पर गरजे विमान, 28 मार्च को होगा शुभारंभ, PM मोदी के स्वागत की तैयारी

महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं।

पीएम मोदी करेंगे नोएडा एयरपोर्ट का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारी दिन-रात सभी काम पूरा कराने में जुटे है। गुरुवार को एयरपोर्ट साइट पर वायु सेना के विमान उतरे। उन्होंने पूर्वाभ्यास किया। उम्मीद है कि शुक्रवार शाम को मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा पहुंचे और तैयारियों की समीक्षा करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे टर्मिनल भवन का निरीक्षण कर नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे वह जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मेड पर है। अफसर नोएडा एयरपोर्ट में डेरा डाले हुए हैं। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जेवर विधायक कर रहे निगरानी

सुरक्षा व्यवस्था से लेकर यातायात प्रबंधन, मंच निर्माण, जनसना स्थल की सजावट और आम जनता की सुविधाओं तक हर पहलू पर विशेष ध्यान दिया ना रहा है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी एयरपोर्ट साइट पर डेरा डाले हुए है। अपने एरिया में आमजन के साथ बैठक करने के बाद जनसभा स्थल पर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं।

ष्ठरू ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया

दीएम मेधा रूपम, बीड़ा के सीईओ आरके सिंह, एयरपोर्ट के नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया ने तैयारियों की समीक्षा की। एयरपोर्ट परिसर में रात में भी बैठकों का दौर चल रहा है ताकि किसी तरह की कमी न रह जाए। डीएम मेधा रूपम ने देर रात कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। एयरपोर्ट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की।

विशेष विमान से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे PM

पीएम शनिवार को विशेष विमान से एयरपोर्ट पहुंचेंगे। गुरुवार को वायुसेना के विमान एयरपोर्ट साइट में जनसभा

स्थान के पास उतरे। उन्होंने पीएम के आने से पहले का अभ्यास किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम को ग्रेटर नोएडा आ सकते हैं। वह एयरपोर्ट साइट पर भी आ सकते हैं। उम्मीद है कि वह रात्रि प्रवास जीबीयू के गेस्ट हाउस में करेंगे। इसको लेकर भी अधिकारी अलर्ट मोड पर है।

घर से निकलने से पहले देख लें ट्रैफिक प्लान

नोएडा एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वीआईपी और आम लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्जन जारी कर दिया है। शनिवार सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक कई प्रमुख मार्गो पर भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध 1 किया गया है। एडीसीपी संतोष कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित कई वीआईपी और आम लोग समारोह में शामिल होंगे। इसलिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे, यमुना एक्सप्रेस वे और एयरपोर्ट के आसपास के रास्तों पर प्रतिबंध लागू किया गया है। हालांकि ऐम्बुलेस और फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों को छूट दी गई है। अलग-अलग जनपदों के अनुसार रूट और पार्किंग निर्धारित की गई है। मेरठ, गाजियाबाद की ओर से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के रास्ते तय पार्किंग तक पहुंचेंगे, जबकि मथुरा और अलीगढ़ से आने वाले वाहन यमुना एक्सप्रेस वे होकर जेवर कट से प्रवेश करेंगे। बुलंदशहर, हापुड़ और आसपास के इलाकों से आने वालों के लिए भी अलग मार्ग तय किए गए है। वीवीआईपी और वीआईपी के लिए यमुना एक्सप्रेस वे के इंटरचेंज से विशेष एंट्री की व्यवस्था की गई है, जहां से उन्हें निर्धारित पार्किंग में भेजा जाएगा। मीडिया, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अलग-अलग पार्किंग और प्रवेश मार्ग बनाए गए हैं। दो पहिया और उनके वाहन से आने वाले लोगों को किशोरपुरा गेट से एंट्री देकर अलग पार्किंग में भेजा जाएगा। आम लोगों के लिए पी-04 से लेकर पी-15 तक विभिन्न पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। यहां वाहन पार्क होंगे। बीड़ी, सिगरेट ले जाने पर रोक, काला कपड़ा भी पहनकर मत जाएं प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए है। कार्यक्रम के दौरान बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू जैसे उत्पादों के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही काला गमछा और काली टोपी पहनकर आने वाले लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। समारोह में बढ़ी संख्या में वीआईपी मेहमानों के आने की संभावना है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट मोड में हैं। कार्यक्रम स्थल के आसपास चेकिंग अभियान तेज कर दिया गया है और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। बिना अनुमति किसी को भी कार्यक्रम स्थल के भीतर जाने की इजाजत नहीं होगी। मुख्य मार्गो पर बैरिकेडिंग की गई है और हर व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है। यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है।

यहां करें कॉल

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट और पार्किंग का पालन करें और असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। किसी भी परेशानी की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क किया जा सकता है।

रीवा में धर्म परिवर्तन के लिए अनीस खान बना रहा था दबाव, महिला ने मना किया तो आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाला

महानगर मेट्रो

रीवा के जावा थाना क्षेत्र पुलिस ने अनीस मोहम्मद खान को गिरफ्तार किया है। वह एक महिला पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। इनकार करने पर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर दी।

आरोपी अनीस खान गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के रीवा में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। अनीस मोहम्मद खान एक महिला पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। वहीं, जब वह इनकार करने लगी तो उसने आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी अनीस मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

2022 से थी महिला की पहचान

पूरा मामला रीवा जिले के जावा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित महिला के साथ 2022 से अनीस की दोस्ती थी। पहचान की वजह से एक-दूसरे के घर भी आना जाना होता था। महिला का घर भी आरोपी के गांव के पास ही था। आरोपी झाड़ फूंक भी काम करता है।

महिला के घर आया था झाड़ फूंक करने

एक बार पीड़ित महिला की तबीयत खराब हो गई थी। तबीयत खराब होने के बाद आरोपी अनीस खान उसके घर झाड़-फूंक करने आया था। इसी दौरान महिला को नशीली गोलियां दी और उसकी आपत्तिजनक तस्वीर खींच ली।

समझें पूरा मामला

आरोपी अनीस मोहम्मद खान झाड़ फूंक का काम करता है झाड़ फूंक के दौरान खींची महिला की आपत्तिजनक तस्वीरें इसके बाद महिला पर बनाने लगा धर्म परिवर्तन का दबाव आरोपी अनीस पहले रेस केस में जा चुका है जेल धर्म परिवर्तन का बनाने लगा दबावकथित रूप से महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। महिला धर्म बदलने से इनकार करती रही। इसके बाद आरोपी ने उसकी तस्वीरें वायरल कर दी। इसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

पुलिस ने भेज दिया जेल

शिकायत के बाद पुलिस की टीम उसके गांव में पहुंची। इस दौरान आरोपी वहीं पर मिला है। पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही वह जेल से बाहर आया था। रेप का केस भी उसके खिलाफ दर्ज है। रीवा पुलिस ने उसके खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत मामला दर्ज किया है।

ग्वालियर में बड़ा हादसा, पुलिस से बचने के लिए स्कॉर्पियो ने ऑटो में मारी टक्कर, पांच लोगों की मौत

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के थाटीपुर इलाके में जोरदार हादसा हुआ है। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटो को टक्कर मार दी है। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्वालियर में दर्दनाक हादसा

गुरुवार की देर रात ग्वालियर में एक बड़ा हादसा हो गया। पुलिस से बचने के लिए स्पीड से स्कॉर्पियो दौड़ा रहे चालक ने एक ऑटो में टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो की टक्कर से ऑटो पेड़ से टकराई। जिसके बाद ऑटो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। हालांकि पुलिस ने स्कार्पियो चालक को पकड़ लिया है।

थाटीपुर इलाके का है मामला

यह पूरा घटनाक्रम थाटीपुर इलाके का है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर रात को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सवार ने बस स्टैंड इलाके में एक वाहन को टक्कर मार दी। इस घटना के बाद पुलिस की एक गाड़ी ने स्कार्पियो सवार को पकड़ने का प्रयास

किया। पुलिस को देखकर स्कार्पियो सवार ने अपनी गाड़ी को और तेज रफ्तार से भागना शुरू कर दिया। जब स्कॉर्पियो थाटीपुर इलाके में परशुराम चौराहे के पास पहुंची तभी स्कार्पियो ने एक ऑटो को टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो की टक्कर से ऑटो सीधा पेड़ से जा टकराया।

शीतला माता के दर्शन कर लौट रहे थे लोग

इस ऑटो में वे श्रद्धालु बैठे हुए थे जो शीतला माता मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। इस हादसे में ऑटो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्कार्पियो सवार को पकड़ लिया है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

हादसों का दिन रहा गुरुवार

मध्य प्रदेश में गुरुवार को हादसे का दिन रहा छिंदवाड़ा में बस पलटने से 10 की मौत सीएम के कार्यक्रम से लौट रहे थे लोग वहीं, सभी शवों को जिला अस्पताल में पीएम के लिए भेज दिया गया है। शुक्रवार को पीएम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। अस्पताल में मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्वालियर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पूछताछ कर रहा है कि पुलिस को देखकर क्यों भाग रहा था।

पति-पत्नी में अप्राकृतिक संबंध अपराध नहीं', एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने पति को दी बड़ी राहत

महानगर मेट्रो

हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने पति-पत्नी के मामले में कहा है कि अप्राकृतिक संबंध अपराध नहीं है। इस मामले को कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। वहीं, अन्य मामले पति के खिलाफ चलते रहेंगे। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने पत्नी के साथ अप्राकृतिक संबंध के मामले में पति को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा है कि पति-पत्नी के बीच अननैचुरल संबंध अपराध नहीं है। इसके साथ ही पति पर दर्ज एफआईआर को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। वहीं, अन्य मामले उसके खिलाफ चलते रहेंगे। पति पर पत्नी ने दहेज, मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

महिला ने पति पर दर्ज करवाया था केस

दरअसल, भिंड की महिला ने साल 2023 में अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। उसमें महिला ने कहा था कि ससुराल पक्ष के लोग 10 लाख रुपए और बुलेट की मांग कर रहे हैं। शादी के समय परिवार ने भरपूर दहेज दिया था। इसके बावजूद यह मांग की जा रही है। साथ ही शिकायत में कहा गया था कि मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है। पत्नी ने अपने पति अननैचुरल यौन संबंध का

भी आरोप लगाया था।

कोर्ट ने कहा कि यह अपराध नहीं

इस मामले का ट्रायल हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में चल रहा था। अननैचुरल संबंध के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। साथ ही कहा है कि पति-पत्नी के बीच बने संबंधों को धारा 377 के तहत अपराध नहीं माना जा सकता है। इस आधार पर दर्ज की गई एफआईआर को आंशिक रूप से निरस्त किया जाता है। वहीं, मारपीट, दहेज और प्रताड़ना के मामले में सुनवाई जारी रहेगी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 377, 498 ए और 354 के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस अन्य मामलों में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। कोर्ट में अभी ट्रायल चलता रहेगा।

ये था पूरा मामला

पत्नी ने अपने पति पर दर्ज करवाया था केस दहेज, मारपीट और प्रताड़ना के साथ अप्राकृतिक संबंध के मामले 2023 में ये दर्ज हुआ था केस हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में चल रही सुनवाई पति भी पहुंचा था हाईकोर्ट गौरतलब है कि इस मामले में सुनवाई के दौरान पति भी कोर्ट में उपस्थित था। इस दौरान पति के वकील ने कहा कि मेरे मुवक्किल के खिलाफ मामले को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है। वहीं, महिला के पूर्व और अभी के बयान मेल नहीं खाते हैं। धारा 377 के तहत केस नहीं चलाया जा सकता है। कोर्ट ने पति, ससुर और सास के खिलाफ लगे आरोपों को रद्द करने से इनकार कर दिया है।

महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर बर्खास्त थानेदार ने मरवाई थी फूंक, हाईकोर्ट ने कहा- यह गलत है, राहत नहीं मिली

महानगर मेट्रो

एमपी हाईकोर्ट से बर्खास्त थानेदार को राहत नहीं मिली है। उन्होंने नशे की जांच के लिए महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर फूंक मरवाई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि यह गलत है।

टीआई ने मरवाई थी फूंक (सांकेतिक तस्वीर)

भोपाल: मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पदस्थ एक टीआई ने महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर फूंक मरवाई थी। उन्होंने यह फूंक नशे की स्थिति चेक करने के लिए मरवाई थी। इस मामले की जांच के बाद टीआई को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अब हाईकोर्ट से भी टीआई को राहत नहीं मिली है।

ये था मामला

दरअसल, यह पूरा मामला 30-31 अगस्त की दरमियानी रात की है। मामला भोपाल के डायल-100 कंट्रोल रूम के पास का है। टीआई राजेश कुमार त्रिपाठी पर आरोप लगा था कि नशा जांच के लिए एक महिला पुलिसकर्मी को खड़ा कर अन्य कर्मियों से उसके चेहरे पर फूंक मारने को कहा था।

कार्रवाई को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

विभागीय कार्रवाई के खिलाफ बर्खास्त टीआई एमपी हाईकोर्ट गए थे। लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली थी। अब टीआई ने डबल बेंच का रुख किया है। मगर वहां से राहत नहीं मिली है। साथ ही डबल बेंच ने कहा है कि इस तरह की जांच न तो कानूनी है और न ही नैतिक रूप से स्वीकार्य है। हाईकोर्ट ने मामले को ठहराया अनैतिक भोपाल पुलिस के बर्खास्त टीआई को नहीं मिली राहत लेडी पुलिसकर्मी के मुंह पर मरवाई थी फूंक सीसीटीवी वीडियो के बाद किया गया बर्खास्त हाईकोर्ट के डबल बेंच ने भी कहा- तरीका है गलत डबल बेंच की है सख्त टिप्पणी गौरतलब है कि इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनाय सराफ की बेंच ने की है। साथ ही कहा कि किसी महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर फूंक मारकर नशा जांच करना अनुचित है। यह उसकी गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

टीआई को कर दिया गया बर्खास्त

इसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने विभाग में शिकायत की थी। विभागीय जांच और सीसीटीवी फुटेज के बाद टीआई के खिलाफ विभाग ने एक्शन लिया। इसके बाद आठ सितंबर 2025 को टीआई को बर्खास्त कर दिया गया।

MP में महंगी हुई बिजली 1 अप्रैल से लागू होंगी नई दरें, 150 यूनिट के बाद बढ़ेगा बिल

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को 1 अप्रैल से महंगाई का झटका लगने वाला है. राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों में करीब 4.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है. हालांकि 100 यूनिट तक राहत बरकरार रहेगी, लेकिन 150 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत करने वालों का बिल बढ़ेगा. मध्य प्रदेश की जनता को महंगाई का एक और झटका लगने जा रहा है. रसोई गैस और अन्य चीजों की बढ़ती कीमतों के बीच अब बिजली दरों में भी बढ़ोतरी कर दी गई है. मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नया टैरिफ जारी किया है, जिसके तहत बिजली दरों में करीब 4.80 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. ये नई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी. इसका असर प्रदेश के करीब डेढ़ करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ेगा. हालांकि आयोग ने निम्न दाब (एलवी-1) और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देते हुए उनकी दरों में कोई बदलाव नहीं किया है. इसके अलावा, 100 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को पहले की तरह रियायत मिलती रहेगी. लेकिन 150 यूनिट से ज्यादा खपत करने वालों पर

इस बढ़ोतरी का असर पड़ेगा. नई व्यवस्था के तहत 151 यूनिट का स्लैब पार करते ही प्रति यूनिट दर के साथ-साथ फिक्स्ड चार्ज भी बढ़ जाएगा. फिक्स्ड चार्ज को 28 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए प्रति 0.1 किलोवॉट कर दिया गया है, जिससे उपभोक्ताओं का कुल बिल बढ़ना तय है. अगर अलग-अलग खपत के हिसाब से देखें तो 150 यूनिट से ज्यादा खपत पर बिजली बिल करीब 1017 रुपए तक पहुंच सकता है, जो लगभग 4.94 प्रतिशत की वृद्धि है. वहीं 200 यूनिट से ज्यादा खपत पर बिल करीब 1696 रुपए तक हो सकता है, यानी करीब 5.30 प्रतिशत बढ़ोतरी. इसी तरह 250 यूनिट पर बिल लगभग 2183 रुपए (5.10 प्रतिशत वृद्धि), 300 यूनिट पर 2668 रुपए (4.98 प्रतिशत वृद्धि) और 400 यूनिट से अधिक खपत पर बिल करीब 3689 रुपए (4.82 प्रतिशत ज्यादा) तक पहुंच सकता है. जानकारों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर गर्मियों के मौसम में होगा, जब एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ जाता है. ऐसे में ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ताओं को भारी बिल का सामना करना पड़ सकता है. इसके अलावा, नई दरों में टाइम ऑफ डे (TOD) व्यवस्था को भी प्रभावी किया गया है. इसके तहत शाम 6 बजे से रात 10 बजे के बीच बिजली की खपत पर ज्यादा फीस देनी होगी. यानी पीक ऑवर्स में बिजली का इस्तेमाल महंगा पड़ेगा, जबकि दिन के समय बिजली इस्तेमाल करने पर कम खर्च आएगा. अनुमान है कि पीक टाइम में बिल 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है. बिजली कंपनियों ने आयोग के सामने 10.19 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था. कंपनियों का तर्क था कि पिछले वित्तीय वर्ष में उन्हें करीब 6,044 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है, जिसकी भरपाई के लिए दरें बढ़ाना जरूरी है. हालांकि आयोग ने इस प्रस्ताव को कम करते हुए 4.80 प्रतिशत तक ही वृद्धि को मंजूरी दी. कुल मिलाकर, नई दरों के लागू होने के बाद मध्य प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अपने खर्च में बढ़ोतरी के लिए तैयार रहना होगा.

वीडियो में बोला- आज रात से लॉकडाउन लगने वाला है अफवाह फैलाने पर पुलिस ने लिया एक्शन

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य के ठाणे के मुंब्रा इलाके में सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की झूठी खबर फैलाने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ लिया. दरअसल, युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था, जिसमें उसने कहा था कि आज रात 12 बजे से कड़ा लॉकडाउन फिर से लागू होने वाला है. वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में डर और भ्रम का माहौल बन गया महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके में एक युवक ने सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की अफवाह फैला दी. युवक ने एक वीडियो बनाकर दावा किया था कि रात 12 बजे से लॉकडाउन लागू होने वाला है. यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया, जिससे स्थानीय लोगों के बीच भ्रम और चिंता का माहौल बन गया. वीडियो में युवक ने इस तरह से बात कही मानो उसे पुख्ता जानकारी मिली हो. यही वजह रही कि कई लोगों ने

बिना पुष्टि किए इस वीडियो को शेयर करना शुरू कर दिया. कुछ ही घंटों में यह अफवाह मुंब्रा और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से फैल गई. लोगों में एक बार फिर लॉकडाउन लगने की आशंका को लेकर बेचैनी बढ़ने लगी. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुंब्रा पुलिस तुरंत हरकत में आई. पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच शुरू की और तकनीकी माध्यमों की मदद से आरोपी युवक की पहचान कर उसका पता लगाया. इसके बाद पुलिस टीम ने उसे हिरासत में ले लिया. पूछताछ में युवक कोई ठोस कारण नहीं बता पाया कि उसने इस तरह की भ्रामक जानकारी क्यों फैलाई. पुलिस ने उसे कड़ी चेतावनी दी और सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई. साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि इस तरह की अफवाह फैलाना अपराध है और इससे समाज में अनावश्यक डर पैदा होता है. मुंब्रा पुलिस ने इस घटना के बाद आम लोगों से खास अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर मिलने वाली किसी भी खबर पर तुरंत विश्वास न करें. किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि करना बेहद जरूरी है. पुलिस ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल के साथ इस तरह की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जहां लोग बिना सोचे-समझे गलत जानकारी शेयर कर देते हैं. इसका असर सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है.

महाराष्ट्र: अहिल्यानगर में रामनवमी जुलूस पर पथराव, कई घायल, 10-12 लोगों पर FIR

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र के अहिल्यनगर में राम नवमी के जुलूस पर पथराव की घटना सामने आई है, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं. घटना के बाद कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया. एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाला जा रहा था. गुरुवार शाम करीब चार बजे जब यह जुलूस सय्यद बाबा चौक पर मस्जिद के सामने से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया. जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए. इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए. घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे श्रीरामपूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई. भीड़ काफी आक्रोशित हो गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया. पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया. लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की गई. पुलिस ने मस्जिद के मौलाना सहित 10 से 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ श्रीरामपूर थाने में मामला दर्ज किया है. जांच जारी है. फिलहाल हालात शांतिपूर्ण हैं और शहर में पुलिस का भारी बंदोबस्त तैनात कर दिया गया है. बता दें कि श्रीरामपूर में रामनवमी का त्योहार हर साल बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन शहर में बड़ा मेला लगता है और भगवान श्रीराम का जुलूस निकाला जाता है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं. पुलिस ने इस मामले में कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 190, भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 191(1), भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 191(2), भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 192, भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 110 और भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 118(1) के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया है.

नवी मुंबई एयरपोर्ट से 30 नई डेस्टिनेशन के लिए उड़ेगी उड़ान, गोरखपुर, पटना अयोध्या, जबलपुर समेत अन्य रूट शामिल

महानगर मेट्रो

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) ने अपना पहला समर शेड्यूल जारी कर दिया है। यह शेड्यूल 29 मार्च से 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। इसके तहत अब एयरपोर्ट से देश के 46 शहरों के लिए फ्लाइट्स उपलब्ध होंगी। मुंबई : नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) ने अपना पहला समर शेड्यूल जारी कर दिया है। यह शेड्यूल 29 मार्च से 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। इसके तहत अब एयरपोर्ट से देश के 46 शहरों के लिए फ्लाइट्स उपलब्ध होंगी। इस नए शेड्यूल में 30 नए घरेलू रूट जोड़े गए हैं, जिससे यात्रियों को देश के बड़े शहरों, पर्यटन स्थलों और धार्मिक जगहों तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा फ्लाइट्स

दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा 9 फ्लाइट्स होंगी, जबकि गोवा (7), बेंगलुरु (6) और कोचीन (5) के लिए भी अच्छी संख्या में उड़ानें संचालित की जाएंगी। इसके अलावा हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, वाराणसी और इंदौर जैसे शहर भी इस नेटवर्क में शामिल हैं। इस दौरान इंडिगो, अकासा, और एयर इंडिया अपनी उड़ानों की संख्या बढ़ाएंगी, जिससे यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे।

रोजाना औसतन 156 फ्लाइट्स

मिली जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या बढ़ाकर हर हफ्ते करीब 1,092 एयर ट्रैफिक मूवमेंट तक पहुंचाई जाएगी, यानी रोजाना औसतन 156 फ्लाइट्स संचालित होंगी। लॉन्च के समय जहां रोजाना 22 फ्लाइट्स थीं, वहीं अप्रैल 2026 तक यह संख्या बढ़कर 78 दैनिक प्रस्थान तक पहुंचने की उम्मीद है। गौरतलब है कि नवी मुंबई एयरपोर्ट ने 25 दिसंबर 2025 से अपनी कमर्शियल सेवाएं शुरू की थीं। अब इस नए शेड्यूल के साथ मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी और छोटे-बड़े शहरों के बीच कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

नए रूट में कौन-कौन शहर

30 नए रूट में आगरा, औरंगाबाद, अयोध्या, बागडोगरा, बरेली, बेलगाम, भावनगर, भोपाल, चंडीगढ़, देहरादून, दिउ, गोवा, गोरखपुर, हिण्डोन, जबलपुर, राजकोट, जम्मू, कन्नूर, कोल्हापुर , मदुरै, कोलकाता, पटना, रायपुर, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेंद्रम और वाइजैग शामिल।

मिल्कशेक में जहर देकर हेड कॉन्स्टेबल पिता की हत्या 3 साल बाद प्रेमी ने खोला राज, बेटी निकली मास्टरमाइंड

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में आर्या नाम की लड़की ने मिल्कशेक में जहर मिलाया और अपने पिता को पिला दिया. जहर पीने के बाद पिता जयंत बल्लावर ड्यूटी पर गए, लेकिन अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. अब तीन साल बाद आर्या के प्रेमी ने इस कहानी से पर्दा उठाया है. मृतक पिता पुलिस में थे. महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों और भरोसे की नींव को झकझोर कर रख दिया है. यहां एक बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम भी दे दिया. यह खौफनाक राज पूरे तीन साल तक छिपा रहा. आखिरकार उसी प्रेमी ने इसे उजागर किया, जिसने इस साजिश में साथ दिया था. यह मामला भद्रावती क्षेत्र का है, जहां मृतक जयंत बल्लावार हेड कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थे. उनकी बेटी आर्या भी पुलिस विभाग से जुड़ी हुई है. पुलिस जांच में सामने आया है कि आर्या का अपने प्रेमी आशीष महेश शेडमाके के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था. जब इस रिश्ते की जानकारी उसके पिता को हुई, तो उन्होंने इसका विरोध किया. इसी बात को लेकर घर में अक्सर झगड़े और तनाव की स्थिति बनी रहती थी. धीरे-धीरे यह विवाद इतना बढ़ गया कि आर्या और उसके प्रेमी ने मिलकर जयंत बल्लावार को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली. प्लानिंग के तहत जहर की व्यवस्था की गई. इसके लिए आशीष ने अपने रिश्तेदार के एक नाबालिग बेटे की मदद ली और चैतन्य उर्फ मोंटी सचिन गेडाम से संपर्क किया. 24 अप्रैल 2023 को चैतन्य ने कांच की बोतल में जहर उपलब्ध कराया, जिसके बदले उसे 5,000 रुपये दिए गए. इसके अगले दिन यानी 25 अप्रैल 2023 को आर्या ने अपने पिता को मिल्कशेक में जहर मिलाकर पिला दिया. जहर पीने के बाद जयंत बल्लावार अपनी ड्यूटी पर गए, लेकिन कुछ ही समय में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी. उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. उस समय इस मामले को आकस्मिक मृत्यु मानकर दर्ज किया गया. जांच के दौरान आर्या ने पुलिस को गुमराह करने वाला बयान दिया, जिससे मामला धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला गया. आरोपी खुद पुलिस विभाग से जुड़ी थी, जिससे शुरुआती जांच में अपेक्षित सख्ती नहीं बरती गई. पुलिस के अनुसार, 2022 से दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और 2023 में हत्या को अंजाम दिया गया. इसके बाद करीब दो साल तक दोनों साथ रहे, लेकिन समय के साथ उनके बीच विवाद बढ़ने लगा. इसी विवाद के चलते आशीष ने 23 मार्च को रामनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पूरे मामले का खुलासा कर दिया. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की. जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आशीष महेश शेडमाके, आर्या जयंत बल्लावार, चैतन्य उर्फ मोंटी और एक नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज किया. पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ लिया है और कार्रवाई शुरू कर दी है. फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क और साजिश के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है. इस मामले में आरोपी और पीड़ित दोनों ही पुलिस विभाग से जुड़े हुए हैं. ऐसे में विभागीय स्तर पर इस मामले को लेकर सतर्कता बरती जा रही है. एक बेटी द्वारा अपने ही पिता की हत्या का यह मामला झकझोर देने वाला है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस साजिश में और कौन-कौन शामिल था.

ऑरेंज ऑन टॉप

मौसम के बदलते मिजाज का असर फैशन की दुनिया में भी नजर आने लगा है। गर्मी की दस्तक के साथ ही आनंद और स्फूर्ति का अहसास देने वाले रंगों के प्रति बढऩे लगा है आकर्षण। इस लिहाज से परफेक्ट है ऑरेंज कलर। इन दिनों फैशन में भी टॉप पर है ऑरेंज कलर। चूंकि रेड और यलो से मिलकर बनता है ऑरेंज कलर, इसलिए इसमें समाए हैं उन दोनों के गुण। गौरतलब है कि खुशी, गर्मजोशी और ऊर्जा को प्रतिबिंबित करता है रेड कलर, वहीं यलो कलर प्रतीक है आनंद और उल्लास का। इस तरह दोनों के

गुणों को समाहित करने वाला ऑरेंज कलर प्रतिबिंबित करता है जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व खुशमिजाज रवैया। जब आप ऑरेंज रंग की ड्रेस पहनेंगी तो आपके व्यक्तित्व में भी दिखेगा नित नयी चुनौतियों से जूझने का उत्साह और आत्मविश्वास। यही वजह है कि किसी न किसी रूप में इस रंग को जीवन में शामिल करना है बेहतरीन विचार। ड्रेस ही नहीं ऑरेंज कलर की एक्सेसरीज का फैशन भी है जबर्दस्त। ऑरेंज कलर की फुटवेयर, सनग्लासेस के फ्रेम, हेयर एक्सेसरीज, नेल पॉलिश इत्यादि का चुनाव भी आपको देगा स्मार्ट व जिंदगी के प्रति पॉजिटिव आउटलुक।

कलर्ड हेयर रहें हेल्दी

मौसम ने करवट ले ली है। गर्मियां दस्तक दे चुकी हैं। इस मौसम का स्वागत करने के लिए क्या आपके बाल तैयार हैं? अगर आपने बालों को कलर कराया है तो गर्मी का मुकाबला करने के लिए उनकी खास देखभाल की जरूरत होगी। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं केमिकल ट्रीटेड और कलर्ड बालों की देखभाल के लिए कुछ खास उपाय।

1. बालों को कलर कराने से पहले यह ध्यान देना जरूरी है कि आपके बाल किस हाल में हैं। यानी उनकी कंडिशन कैसी है। कहीं बाल दोमुंहे या अत्यधिक रूखे तो नहीं हैं। ऐसी स्थिति में कलर कराने से बचना चाहिए। बालों में किसी भी प्रकार का ट्रीटमेंट (केमिकल ट्रीटमेंट) कराने के लिए उन्हें स्वस्थ होना जरूरी है। सप्ताह में एक बार डीप कंडिशनिंग ट्रीटमेंट लेने से बालों को पोषण मिलेगा।

2. एंटी डैंड्रफ या क्लेरिफाई हेयर शैंपू का इस्तेमाल भूल कर भी न करें। कलर्ड हेयर के लिए ख़ास तौर पर बना शैंपू ही इस्तेमाल करें। बेहतर होगा कि आप कलर बूस्टिंग एंड क्लेयर फॉर्म्युला प्रयोग करें।

3. कलर ट्रीटेड हेयर के लिए वॉल्यूमाइजिंग शैंपू कभी न प्रयोग करें। यह क्यूटिकल्स से कुदरती तेल निकाल देगा।

4. कलर किए हुए बालों को धूप के सीधे संपर्क में आने न दें। धूप में अधिक देर तक रहना हो तो हैट, स्कार्फ या बेसबॉल कैप लगाएं। आप एसपीएफ युक्त हेयर स्प्रे भी कर सकती हैं।

5. गर्मियों में जहां तक हो सके ब्लो ड्राई और हीट ट्रीटमेंट/स्टाइलाइजिंग से बचें। स्ट्रेटनिंग या आयरनिंग वगैरह के बजाय बालों को नैचरल स्टाइल में रहने दें। आकर्षक चोटी, पोनीटेल या मेसी बन बना सकती हैं।

6. सप्ताह में एक बार बालों में मेथी दाना पैक लगाएं। इससे उनका पीएच बैलेंस बना रहेगा और वे हेल्दी भी रहेंगे।

गर्मियों के लिए तैयार करें त्वचा

जैसे-जैसे मौसम बदलता है त्वचा की देखभाल का तरीका भी बदलता है। सर्दियों में जहां त्वचा रूखी हो जाती है, वहीं गर्मियों में धूप से मुरझा जाती है। लेकिन मौसम बदलने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो त्वचा संबंधी कई समस्याओं से बचा जा सकता है। यहां त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय बत्रा बता रहे हैं कि गर्मियों का सामना करने के लिए आप अपनी त्वचा को कैसे तैयार करें।

20-30 वर्ष

बनी रहे कोमल त्वचा

इस उम्र की स्त्रियां ज्यादातर समय बाहर बिताती हैं। कॉलेज या निजी काम के लिए लंबी दूरी तय करती हैं। व्यस्त दिनचर्या के चलते वे एक अहम तथ्य को नजरअंदाज करती हैं और वह है नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना। गर्मियों में पसीने के रूप में शरीर से काफी मात्रा में पानी बाहर निकल जाता है। ऐसे में यदि लंबे समय के लिए घर से बाहर रहना या नियमित व्यायाम करना है तो शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी का होना बहुत जरूरी है। इससे त्वचा कोमलता भी बरक़रार रहती है।

धूप से सुरक्षा

दोपहर की धूप सबसे नुकसानदेह होती है। संभव हो तो सुबह 11 से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। इस समय सूर्य की किरणें सबसे तेज होती हैं और त्वचा पर बुरा असर डालती हैं। इसलिए बाहर निकलने से 30 मिनट पहले चेहरे व त्वचा के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

तली चीजों से परहेज

यही वह उम्र है जब फास्टफूड बहुत भाते हैं। अधिक वसायुक्त या तली चीजें खाने से सुस्ती आती है, यह पाचन प्रक्रिया को सुस्त बना देते हैं। पाचन क्रिया बिगडऩे का सीधा असर त्वचा पर पड़ता है। जहां तक हो सके बाहर के खाने से बचें। बहुत जरूरी हो तो फल या ताजे फलों का जूस पी सकती हैं।

कम चाय व कॉफी

डाइयुरेटिक होने के कारण अधिक चाय एवं कॉफी पीने से यूरिन की समस्या हो सकती है। साथ ही यह त्वचा में मौजूद जरूरी पानी भी कम करते हैं, जिस कारण त्वचा रूखी हो सकती है। ग्रीन टी इसका अच्छा ऑप्शन है। ये न सिर्फ अतिरिक्त वसा कम करेगी, बल्कि त्वचा पर चमक भी लाएगी।

एयरेटेड पेय से रहें दूर

इनमें शक्कर की मात्रा अधिक होती है, जो न त्वचा और न ही सेहत के लिए अच्छा है। प्यास बुझाने के लिए फ्रेश लाइम, ताजे फलों का जूस या नारियल पानी पीना समझदारी होगी।

क्लींजिंग है जरूरी

सोने से पहले माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करने के बाद एसपीएफ युक्त मॉयस्चराइजर लगाएं। चेहरा साफ करने के लिए गुलाबजल का इस्तेमाल करें। इससे ताजगी मिलेगी। खीरे का रस या नारियल पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

टैनिंग से छुटकारा

2-2 चम्मच बेसन व दही में 1/4 नीबू का रस मिलाकर लगाएं। सूखने पर मलते हुए छुड़ाएं। नीबू व दही के सिट्रस गुण टैनिंग हटाते हैं।

30-40 वर्ष

जलयुक्त मॉयस्चराइजर

मॉयस्चराइजिंग रुटीन का सख्ती से पालन करें। यदि नियमित मॉयस्चराइजर अधिक तैलीय है तो वॉटर बेस्ड मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। ताकि त्वचा की कुदरती नमी बरकरार रहे।

टोनर है जरूरी

त्वचा के रोमछिद्रों को बंद रखने और ताजगी बनाए रखने के लिए टोनर का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। इसके लिए गुलाब जल का प्रयोग कर सकती हैं। इसमें स्वभाविक कूलिंग के गुण होते हैं जो गर्मियों के उत्तम है। टोनर इसलिए जरूरी है, क्योंकि गर्मियों में लू चलती है और धूल-मिट्टी त्वचा पर चिपक जाती है। अगर क्लींजिंग के बाद छिद्र बंद न हों तो धूल-गंदगी त्वचा के भीतर चली जाएगी और उससे संक्रमण होने का खतरा रहेगा।

एक्सफोलिएशन

मृत त्वचा को हटाने और चेहरे की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाने के लिए एक्सफोलिएशन जरूरी है। इसके लिए बाजार में उपलब्ध कॉस्मेटिक स्क्रब का चुनाव कर सकती हैं या घर पर भी इसे बना सकती हैं। घर पर स्क्रब बनाने के लिए 4-5 चम्मच बेसन, चुटकी भर हल्दी, 5-6 बूंद गुलाब जल और दूध या दही लें। इसे एक पेस्ट की तरह मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद मलकर हटाएं। इसके बाद फेसमास्क और मॉयस्चराइजर लगाना न भूलें।

फेसपैक लगाएं

रंगत निखारने के लिए घरेलू फेसपैक क ा प्रयोग करें। पपीता प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है और इसका इस्तेमाल घर पर फेसपैक बनाने के लिए भी कर सकती हैं। दो चम्मच पके हुए पपीते को अच्छी तरह मसलें। इसमें एक चम्मच शहद और एक अंडे की सफेदी मिलाएं। इस मिश्रण को 15 मिनट तक चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। साफ पानी से धो लें।

त्वचा को दें ठंडक

आधा खीरा और एक चम्मच दही को एक साथ पीस कर पैक बना सकती हैं। इसे 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह त्वचा को ठंडक प्रदान करेगा और जलन कम करेगा।

40-50 वर्ष

त्वचा को दें पर्याप्त नमी

उम्र जैसे-जसे बढ़ती है, त्वचा के लिए नमी के स्तर को बनाए रख पाना मुश्किल होता जाता है। इस तरह समय से पहले ही त्वचा अधिक बूढ़ी नजर आने लगती है। इस उम्र में त्वचा अपना प्राकृतिक लचीलापन और मॉयस्चराइज र खो देती है। ऐसे में क्रीम रिच मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपके मॉयस्चराइजर एसपीएफ 30 के साथ ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सन स्क्रीन युक्त है या नहीं।

मुंहासों से छुटकारा

हॉर्मोंस असंतुलन के कारण 40 पार भी मुंहासों की समस्या हो जाती है। इसे नजरअंदाज न करें। त्वचा रोग विशेषज्ञ की राय लें ताकि मुंहासों का सही इलाज हो सके। यदि त्वचा में गंभीर पिग्मेंटेशन, रैशेज, झुर्रियां, लाल निशान या ढीलेपन की समस्या है तो आप इन उपचारों को भी अपना सकती हैं -

स्किन रिन्युवल ट्रीटमेंट :

एंटी एजिंग से मुक़ाबला करने के लिए यह उपाय अपना सकती हैं। साथ ही मृत त्वचा को हटाने और त्वचा की असमान रंगत को सुधारने के लिए भी यह उपाय अपना सकती हैं।

क्लैरिटी ट्रीटमेंट :

यह उपचार बांह, छाती, गर्दन और चेहरे पर मौजूद पिग्मेंटेशन को हटाने के लिए अपना सकती हैं।

स्किन टाइटनिंग :

हाथ, गर्दन और चेहरे की ढीली त्वचा में कसाव लाने के लिए स्किन टाइटनिंग उपचार की मदद ले सकती हैं। यह उपचार त्वचा का लचीलापन लाने वाले कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है।

डाइट का रखें ध्यान

आहार में अमीनो एसिड्स, ग्लुकोसैमाइन, विटमिन बी6, सहित एंटीऑक्सिडेंट्स, विटमिन ए, सी, डी, और ई शामिल करना जरूरी है। इसके लिए डाइट में स्किम्ड मिल्क, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित दालें और मेवे शामिल करें।

परफेक्ट एक्सेसरीज

इसमें कोई शक नहीं कि पहनावे से झलकता है हमारा व्यक्तित्व। इस ओर ध्यान देना जरूरी है, पर इसके साथ एक्सेसरीज भी समान रूप से मायने रखती हैं। फैशन और अवसर के अनुरूप एक्सेसरीज के चयन से आप जोड़ सकती हैं व्यक्तित्व में अनूठा आकर्षण

स्टड्स

खूबसूरत डिजाइन में सिंगल डायमंड स्टडेड ईयरिंग्स देते हैं नीट लुक। आप चाहें तो दूसरी डिजाइन में अपनी पसंद के टॉप्स खरीद भी सकती हैं। अगर आप ऐसे ईयरिंग्स के कई पेयर नहीं खरीदना चाहती हैं तो न्यूट्रल कलर स्टोन्स के खूबसूरत स्टड्स खरीदें।

सनग्लासेज

ये सिर्फ आपकी आंखों को सूर्य की हानिकारक किरणों से ही नहीं बचाते, बल्कि स्टाइलिश दिखने के लिए लिहाज से भी इसका इस्तेमाल है परफेक्ट। इन दिनों चलन में हैं डबल शेडेड सन ग्लासेज। टर्टल शेल फ्रेम्स में डबल शेडेड ग्लासेज काफी स्टाइलिश लुक देते हैं।

शैंडेलियर ईयरिंग्स

इससे आपके कूल लुक में जुड़ता है जबर्दस्त आकर्षण। टू टियर या थ्री टियर में लटकन स्टाइल शैंडेलियर ईयरिंग्स परफेक्ट लगते हैं। यहां इस बात का ख्याल रखें कि ये ईयरिंग्स बहुत ज्यादा भड़कीले न हों।

लंबी चेन

पहनावा इंडियन हो या वेस्टर्न, उसके साथ परफेक्ट एक्सेसरी है लंबी चेन। मोती, स्टोन्स, गोल्ड या फिर किसी अन्य मेटल की लंबी माला या चेन आप अपनी पसंद से चुन सकती हैं। यह न सिर्फ हर पहनावे के साथ जंचती है, बल्कि इसे आप कई प्रकार से धारण कर सकती हैं। गले में इसे आप सिंगल या डबल करके डाल सकती हैं। चाहें तो ब्रेसलेट की भांति हाथ में पहन सकती हैं। हर तरह से यह खूबसूरत लगेगी।

कॉकटेल रिंग

कुछ परिधान ऐसे होते हैं, जिनके साथ भारी नेकलेस या ईयरिंग्स की जरूरत नहीं होती। सिर्फ एक कॉकटेल रिंग ही काफी होती है। स्टोन स्टडेड ओवरसाइज खूबसूरत रिंग जब आपकी अंगुली में होगी तो सबका ध्यान सिर्फ उसी ओर होगा।

हैंडबैग

ओवरसाइज हैंड बैग होना भी है बेहद जरूरी। अक्सर हमें पहले से पता नहीं होता और अचानक कहीं जाने का प्रोग्राम बन जाता है। ऐसे में अगर आपके पास बड़ा हैंड बैग होगा तो उसमें जरूरत का सारा सामान, जैसे बुक, मेकअप पाउच, छोटा टॉवल इत्यादि रखकर साथ कैरी कर सकती हैं। ब्लैक, ब्राउन या किसी अन्य न्यूट्रल शेड में हैंड बैग खरीदें, जो सभी के साथ मैच कर सके।

रिस्ट वॉच

आजकल फैशन है दो टोन वाली रिस्ट वॉच का। यह रिस्ट वॉच अगर ओवरसाइज हो तो और भी बेहतर है। स्टोन्स स्टडेड, मेटल या लेदर के स्ट्रैप वाली रिस्ट वॉच में से आप अपनी पसंद के अनुरूप रिस्ट वॉच चुन सकती हैं, पर इसे अपने एक्सेसरीज कलेक्शन में अवश्य शामिल करें।

बूट्स

इसमें मौजूद हैं ढेरों डिजाइन्स। लांग बूट, शॉर्ट बूट्स, फर या हील वाले बूट्स में से आप क्या चाहती हैं, यह खुद तय करें। जब कभी फुटवेयर को लेकर संशय हो तो निश्चिंत होकर इन्हें धारण कर सकती है। हर पहनावे के साथ ये बूट्स जंचेंगे।

स्टिलटोज

स्मार्ट स्टिलटोज के बगैर आपका वार्डरोब अधूरा है। ब्लैक या न्यूड शेड्स में स्टिलटोज का एक पेयर अवश्य खरीदें, जो आपके सभी भारतीय और वेस्टर्न पहनावे के साथ मैच कर जाएंगे। चूंकि इनमें पतली हील होती है, इसलिए इन्हें पहनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। एक बार आपको इन्हें पहनने की प्रैक्टिस हो गयी, फिर चिंता की कोई बात नहीं।

वेज हील

आप हील पहनने की चाह रखती हैं, पर अपने पांवों को जरा भी तकलीफ नहीं देना चाहती तो आपके लिए बेस्ट हैं वेज हील। ये इतनी आरामदायक होती है कि आपको यह महसूस ही नहींहोगा कि आपने हील पहन रखी है।

क्लच

पार्टी या अन्य किसी खास मौके के लिए तैयार हो रही हैं तो एक्सेसरी के तौर पर हाथ में क्लच बैग लेना न भूलें। यदि आप बहुत अधिक क्लच बैग खरीदने में रुचि नहीं रखती हैं तो भी न्यूट्रल शेड में कम से कम एक क्लच तो आपके पास होना ही चाहिए, ताकि उसे

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपया 86 पैसे टूटकर 94.82 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भी बाजार की अनिश्चितता को बढ़ाया, जिसका असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल करेंसी पर दबाव बना रह सकता है। मालूम हो कि पिछले कुछ कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट देखी गई है। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 94.18 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान पहली बार 94.50 के पार निकल गया। अंत में यह और फिसलकर नए रिकॉर्ड लो 94.82 पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार यानी 25 मार्च को भी रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रामनवमी के कारण बाजार बंद रहे थे। रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है।गिरावट के प्रमुख कारणरुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है। इसके साथ ही, ईरान में जारी संकट और व्यापक मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन कारकों के चलते रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है।2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावटभारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक से भी ज्यादा

समय में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10 प्रतिशत तक गिर चुका है।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली । कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते* पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर

तक भी जा सकता है।

यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्गमों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा फाइनैंशियल सर्विसेज ने 3,000 करोड़ रुपए जुटाए। इसके विपरीत क्यूआईपी निर्गम में तेज गिरावट आई। वित्त वर्ष 2026 में 29 फर्मों ने क्यूआईपी के माध्यम से 62,954 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल 85 फर्मों ने 1.31 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गिरावट के पीछे बाजार में अस्थिरता और निवेशकों की कम रुचि प्रमुख कारण मानी जा रही है। निवेश बैंकरों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क, वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ी कीमतों के कारण निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई। इक्विरस कैपिटल के भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्गम 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेंट बैंकर नियुक्त करने की

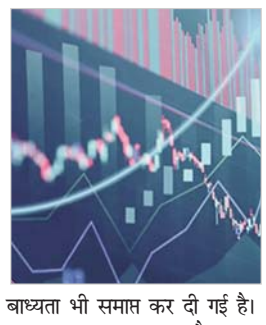

बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 9,999 रुपए से

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अे धिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

पश्चिम एशिया संकट भारत में एमएसएमई को कर्ज भुगतान में मोहलत की संभावना

नकदी प्रवाह पर असर, बैंकिंग क्षेत्र ने सुझाव दिया राहत

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत समेत दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दिख रहा है। ऐसे समय में बैंकरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि नकदी प्रवाह में आई अड़चन से निपटने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और मझोले आकार की कंपनियों को कर्ज भुगतान में अस्थायी मोहलत दी जाए। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनियों की संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित ढांचा स्वेच्छा पर आधारित होगा, यानी कर्जदार अपने आप राहत का लाभ उठा सकेंगे। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इस तरह की व्यवस्था लागू की गई थी, जिससे कारोबारों को नकदी प्रवाह में आई रुकावट का सामना करने में मदद मिली थी। अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो इसी तरह की राहत पर फिर विचार किया जा सकता है।

सरकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुजरात के मोरबी में सिरेमिक क्लस्टर पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, क्योंकि टाइल निर्माण पूरी तरह गैस पर निर्भर है।

इसके अलावा कांच उद्योग, खासकर चूड़ियां बनाने वाले उद्योग और पश्चिम एशिया पर निर्भर चावल निर्यातक प्रभावित हो रहे हैं।

उर्वरक उद्योग को भी वैश्विक संकट के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई और केंद्र सरकार इस विशेष स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। बैंकिंग नियामक ने बैंकों से संकट प्रभावित उद्योगों में उनके निवेश का आंकड़ा मांगा है।

अधिकारी ने कहा कि अगर हालात लंबे समय तक बने रहते हैं तो कर्जदारों को एक-दो महीने या स्थिति सामान्य होने तक राहत दी जा सकती है।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली ।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डले ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ। इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डले ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डले ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डले ला सुपर

यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डले ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला।

इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबिक एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, “यह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

–कांग्रेस नेता बोले– नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम विजयन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

–सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

–बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की और से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

-पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

मुचोवा को हराकर गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होगा सामना

फ्लोरिडा (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। नंबर 13 सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर मियामी की रहने वाली यह खिलाड़ी अपने छठे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंचने के बाद, अपने 12वें WTA खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत में एक ब्रेक गंवाने के बाद, गॉफ ने आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर एक घंटे 20 मिनट में जीत हासिल की; इस जीत की ख़ास बात यह थी कि उन्होंने मुचोवा की सर्विस को छह बार ब्रेक किया।

अब वह चेक खिलाड़ी के खिलाफ छह मैचों में अजेय हैं और 2026 में दो बार उन्हें हरा चुकी हैं। गॉफ ने सीजन की अपनी शुरुआत के बारे में प्रेस से कहा, 'इस साल मेरे कुछ मैच काफी मुश्किल रहे, लेकिन यह पिछले साल से बेहतर है। मुझे लगता है कि यह सब मेरे खेल को बेहतर बनाने और उसे और मजबूत करने की कोशिश का नतीजा है और मुझे लगता है कि सुधार हो रहे हैं खासकर मेरे फोरहैंड में, मैं इस बात से खुश थी कि पूरे टूर्नामेंट में मेरा खेल कैसा रहा।'

शनिवार के फाइनल में गॉफ का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा जिन्होंने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में एलेना रायबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया था। गॉफ का सबालेंका से 12 बार मुकाबला हुआ है, हाल ही में 2025 में मैड्रिड फाइनल, रौलां गैरो फाइनल और WTA फाइनल रियाद ग्रुप स्टेज में; जिसमें फ्रांस में हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने जीत हासिल की थी। सबालेंका और गॉफ़ के बीच टूर-लेवल पर अब तक 12 मुकाबले हुए हैं, जिनमें दोनों ने 6-6 जीत हासिल की हैं।

राजस्थान रॉयल्स को सस्ते में मिल गए वैभव सूर्यवंशी!, रखा था इतने करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के साथ IPL में शुरूआत और भारतीय युवा टीम में पिछले एक साल से सूर्खियों में रहे 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर IPL फ्रेंचाइजी ने खुलासा किया कि उनके लिए 10 करोड़ तक का बजट अलग रखने की योजना बनाई थी। हालांकि राजस्थान को सूर्यवंशी बेहद सस्ते में मिल गए और उन्होंने इसके लिए 1.1 करोड़ ही चुकाने पड़े।

वैभव ने महज 12 साल की उम्र में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। इसके बाद 13 साल की उम्र में IPL ऑक्शन में बिके और 14 साल की उम्र में अपने पहले ही सीजन में 35 गेंदों में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हाल ही में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता।

राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट जुबिन भरुचा ने ट्रायल को याद करते हुए कहा कि अक्टूबर 2024 में ट्रायल के दौरान ही वैभव ने सबका ध्यान खींच लिया था। वैभव ने पहली गेंद को जिस तरह से खेला उससे उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद दिला दी। वैभव ने ट्रायल के दौरान 6 फीट लंबे तेज गेंदबाजों का सामना किया। एक गेंदबाज ने 157 KPH की रफ्तार से गेंद डाली जिसे वैभव ने सीधे साइटस्क्रीन के ऊपर छक्का जड़ दिया। इतनी तेज गेंद पर इतनी आसानी से छक्का मारना सामान्य नहीं है, वो भी इतनी कम उम्र में।

IPL 2026 में अब सूर्यवंशी के सामने बड़ी चुनौती खुद को लगातार बेहतर बनाते हुए हर परिस्थिति में रन बनाने की होगी। आईपीएल का आगाज शनिवार 28 मार्च से हो रहा है जबकि राजस्थान रॉयल्स की टीम 30 मार्च को अपने अभियान की शुरूआत करेगी जहां उसका सामने चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेसमेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें।

नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हसिल करेंगे। जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है। उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में हैं।विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2016 के सत्र में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे। उस सत्र में उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे और अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था हालांकि तब वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुरुआती दो मैचों में विफल रहने के बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए पिछले 9 मैचों में 4 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। इससे साफ है कि वह लय में है। लीग के पिछले सत्र में भी विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। तब उन्होंने 15 पारियों में 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 54.75 और स्ट्राइक रेट 144.71 रहा था। उन्होंने पूरे सत्र में 8 अर्धशतक लगाए थे।आरसीबी को लीग में पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 24 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 805 रन बनाए थे। विराट ने अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीती थी।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

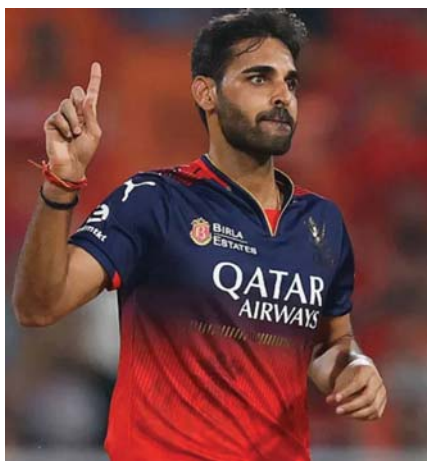

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं1 आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईएपल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप : भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर

माले । ओमांग डोडुम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरनाज सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी विशाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहेइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ओमांग डोडुम ने खेल पर कब्जा जमाया। 64वें मिनट में उन्होंने रिकी की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दोगुनी की। 88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनल्टी में गिराए जाने पर डोडुम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3-0 किया। डोडुम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली । इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके। गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर । भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोतोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोतोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।

भारत के स्टार हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने लिया संन्यास, ओलंपिक्स में जीत चुके हैं पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया अवार्ड्स समारोह के दौरान अपने संन्यास की घोषणा की। 31 वर्षीय इस भारतीय हॉकी खिलाड़ी ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और 33 गोल किए।

26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत सिंह जूनियर हॉकी रैंक में तेजी से आगे बढ़े और अपनी गति तथा तेज सूझ-बूझ से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने भारतीय हॉकी के सबसे यादगार पलों में से एक में अहम भूमिका निभाई। 2016 में लखनऊ में जूनियर एफआईएच विश्व कप की जीत।

फाइनल में गोल करके भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और भारतीय आक्रमण पंक्ति के मुख्य खिलाड़ी बन गए। गुरजंत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का एक अहम हिस्सा थे। गुरजंत ने भारत को एशियाई खेल 2023 और 2017 एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी मदद की, साथ ही कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब भी जीते।

2021 में उन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज यहां अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत सिंह ने कहा, 'मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे सीनियर खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर की थी और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतोष महसूस हो रहा है। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गौरवान्वित व्यक्ति के रूप में विदा ले रहा हूं।'

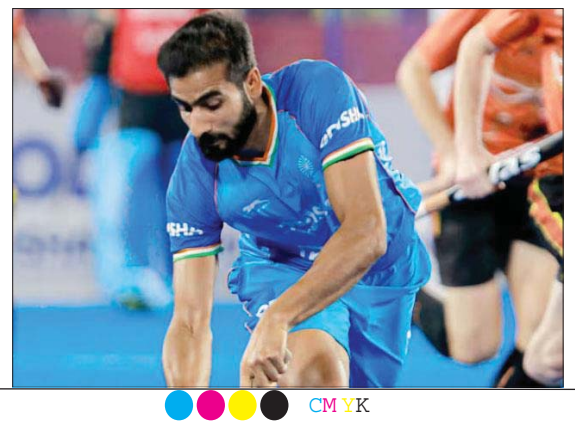

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

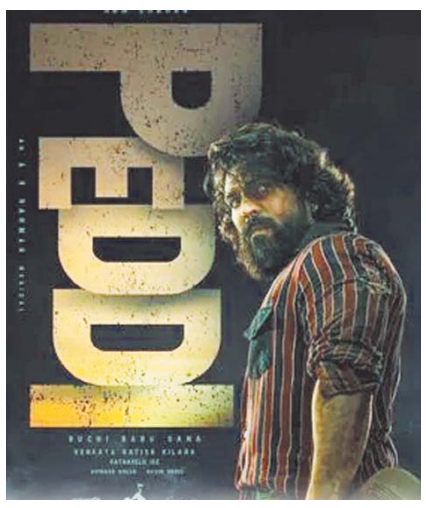

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

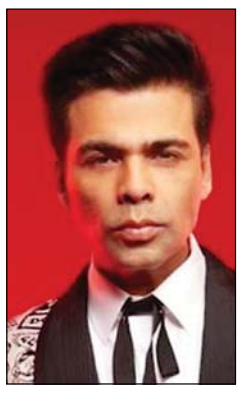

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेनः चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में यहूदी संस्था की एंबुलेंस में आग, दो आरोपी गिरफ्तार

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक यहूदी संस्था की चार एंबुलेंस को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी उम्र 45 और 47 साल है। यह घटना गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय रहता है। पुलिस इस हमले को यहूदी विरोधी नफरत से जुड़ा अपराध मानकर जांच कर रही है। आग लगने से एंबुलेंस में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर फट गए, जिससे पास की इमारत को भी नुकसान हुआ। पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है।

नाइजीरिया में हमला : 10 सुरक्षाकर्मी और एक नागरिक की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य केब्बी में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें नौ सैनिक, एक पुलिसकर्मी और एक आम नागरिक की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब सुरक्षाबल एक संभावित हमले की सूचना पर कार्रवाई करने जा रहे थे। सरकारी प्रवक्ता याहया सार्की के अनुसार, यह घटना शांगा इलाके में देर रात हुई। आतंकियों ने अचानक हमला करके भारी नुकसान पहुंचाया और कुछ वाहनों को भी जला दिया। हमले के बाद इलाके में डर का माहौल है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि दोषियों को जल्द पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इटली की पर्यटन मंत्री का इस्तीफा

रोम, एजेंसी। इटली में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार को बड़ा झटका लगा है। देश की पर्यटन मंत्री डेनिएला सैंटांचे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब सरकार को न्यायिक सुधारों पर हुए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में हार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री मेलोनी ने खुद सैंटांचे से इस्तीफा देने को कहा था। इससे पहले न्याय मंत्रालय के दो अधिकारी भी इस्तीफा दे चुके थे। यह पूरा मामला सरकार की छवि और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहा है। डेनिएला सैंटांचे पहले से ही कई कानूनी मामलों में फंसी हुई थीं, जिनमें फर्जी अकाउंटिंग और धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। 2023 में भी उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब वे बच गई थीं। अपने इस्तीफे में सैंटांचे ने कहा कि उन्हें दुख है कि उनका कार्यकाल इस तरह खत्म हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वे दूसरों की गलतियों का दोष अपने ऊपर नहीं लेना चाहतीं। इस रेफरेंडम में सरकार के प्रस्ताव को जनता ने खारिज कर दिया, जिससे मेलोनी सरकार की मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं।

उत्तर कोरिया पहुंचे बेलारूस के राष्ट्रपति, किम जोंग से करेंगे बात

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको बुधवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंचे। यहां वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने पर बातचीत करेंगे। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, प्योंगयांग हवाई अड्डे पर लुकाशेंको का स्वागत उत्तर कोरिया के वरिष्ठ अधिकारी किम तोक हुन ने किया, जिन्हें हाल ही में उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

सारा मुलाली बनीं चर्च ऑफ इंग्लैंड की पहली महिला आर्कबिशप

लंदन, एजेंसी। कैंसर नर्स से पादरी बनीं 63 वर्षीय सारा मुलाली ने बुधवार को आर्कबिशप ऑफ कैंटरबरी के रूप में अपने सार्वजनिक मंत्रालय की शुरुआत की। वे चर्च ऑफ इंग्लैंड का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं। यह समारोह फीस्ट ऑफ द एननशिएशन के दिन आयोजित किया गया। मुलाली दुनिया भर के 10 करोड़ से अधिक एंग्लिकन सदस्यों की आध्यात्मिक नेता होंगी। समारोह में प्रिंस विलियम, प्रिंसेस कैथरीन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

रूस-यूक्रेन जंग में मारे गए जिम्बाब्वे के 15 नागरिक

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे सरकार ने बताया कि उसके 15 नागरिक रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए हैं। इन लोगों को नौकरी का झांसा देकर युद्ध में भेजा गया था। सरकार के अनुसार, फर्जी एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए लोगों को अच्छे वेतन और सुरक्षित काम का लालच देती हैं, लेकिन बाद में उन्हें जबरन युद्ध में झोंक दिया जाता है। कई लोगों के पासपोर्ट भी छीन लिए जाते हैं। जिम्बाब्वे अब बचे हुए 66 नागरिकों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। अफ्रीका के कई देशों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है।

बदलते वैश्विक हालात में अमेरिका की मुश्किलें बढ़ीं, चीन-रूस बने बड़ी चुनौती

वॉशिंगटन , एजेंसी। वैश्विक हालात में तेजी से बदलाव के बीच अमेरिका अब एक साथ दो परमाणु खतरों—चीन और रूस का सामना कर रहा है। यह बात शस्त्र नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के अवर सचिव थॉमस डिनानो ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान सांसदों से कही। डिनानो ने कहा कि मौजूदा खतरे का माहौल एक ऐतिहासिक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें वाशिंगटन को बीजिंग और मॉस्को दोनों से एक साथ परमाणु चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा छोटे परमाणु देशों से भी खतरे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक हथियार नियंत्रण ढांचे अब मौजूदा भू-राजनीतिक और तकनीकी चुनौतियों के पैमाने और जटिलता को संभालने में सक्षम नहीं हैं। डिनानो ने कहा, 'एक नामांकित अधिकारी के रूप में मैंने ऐसे हथियार नियंत्रण समझौते तलाशने का संकल्प लिया है, जो सत्यापन योग्य और लागू करने योग्य हों तथा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करें।' उन्होंने यह भी बताया कि उनका कार्यालय पुराने तंत्र को आधुनिक बनाने पर ध्यान दे रहा है। मौजूदा संधियां आज की वास्तविकताओं को, खासकर अमेरिका के विरोधियों की बढ़ती परमाणु

क्षमताओं के संदर्भ में नहीं दर्शातीं। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अंतिम प्रमुख संधि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'न्यू स्टार्ट ने सिर्फ अमेरिका को रोका, जबकि रूस को एक बड़ा थिएटर-रेंज्ड न्यूक्लियर हथियार बनाने और बनाए रखने की इजाजत दी।' उन्होंने सरकार के एक्सपायर हो चुके समझौते से आगे बढ़ने के फैसले का बचाव किया। डिनानो ने कहा कि सरकार अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए समझौते के दृष्टिकोण के हिसाब से अपडेटेड फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जो लागू करने लायक हों और उभरते खतरों के हिसाब से ढल सकें। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ने एक नई संधि की मांग की और कहा कि भविष्य के अरेंजमेंट में तकनीकी बदलाव और बड़े रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का ध्यान रखना होगा।' अपने कार्यालय के दायरे को समझाते हुए डिनानो ने कहा कि स्टेट डिपार्टमेंट का विस्तारित 'टी फैमिली' ढांचा अब हथियार नियंत्रण, परमाणु अप्रसार, आतंकवाद-रोधी प्रयास और राजनीतिक-सैन्य मामलों जैसे प्रमुख सुरक्षा कार्यों को एकीकृत करता है। उन्होंने कहा, 'इस पुनर्गठन से विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा कार्यों का एकीकरण हुआ है और इससे निर्यात नियंत्रण, प्रतिबंधों के पालन और संधि सत्यापन में बेहतर समन्वय संभव हुआ है।' उन्होंने कहा, 'रीऑर्गेनाइजेशन ने विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कामों को मजबूत किया है। नया स्ट्रक्चर एक्सपोर्ट कंट्रोल, बैन लागू करने और ट्रीटी वेरिफिकेशन में सहयोग को बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया कि उनकी टीम बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले हथियारों के फैलाव को रोकने से लेकर हथियारों की बिक्री को मैनेज करने और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी में सहयोग करने तक के बड़े पोर्टफोलियो की देखरेख करती है। डिनानो ने कहा, 'हमारी टीम सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को रोकने से लेकर आतंकवाद से मुकाबला करने तक राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करती है।' उन्होंने कहा, 'राज्य विभाग में हमारा मकसद कूटनीति को आगे बढ़ाना और गठबंधनों का प्रभावी प्रबंधन करना है।' इसके साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी के खतरों से निपटने के लिए सूचना साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया। यह बात ऐसे समय में आई है जब ग्लोबल हथियार कंट्रोल फ्रेमवर्क पर दबाव बढ़ रहा है। न्यू स्टार्ट संधि के खत्म होने से अमेरिका और रूस के रणनीतिक हथियारों पर लगी लिमिट हट गई है, जिससे हथियारों की नई रेस की चिंता बढ़ गई है। इसके साथ ही चीन का बढ़ता न्यूक्लियर प्रोग्राम ने नए बहुपक्षीय समझौता बनाने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया है। यह किसी भी बाइंडिंग हथियार कम करने के फ्रेमवर्क से बाहर है। यह एक ज्यादा बिखरे हुए और अनिश्चित ग्लोबल न्यूक्लियर ऑर्डर की ओर बदलाव का संकेत है।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था। हाल ही में आयोजित रिपब्लिकन कार्यक्रम में उन्होंने ऐसा दावा किया है। हालांकि, इस पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप का बयान ऐसे समय पर आया है, जब खबरें हैं कि ईरान की तरफ से अमेरिका की युद्धविराम की मांग को खारिज कर दिया गया है। ट्रंप ने पाकिस्तान के जरिए ये मांगें ईरान तक पहुंचाई थीं। ट्रंप ने दावा किया, 'उनकी बहुत ज्यादा इच्छा समझौता करने की है, लेकिन ऐसा कहने से डर रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें उनके लोग ही मार देंगे। उन्हें इस बात का भी डर है कि वो हमारे हाथों मारे जाएंगे। ट्रंप ने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश का ऐसा कोई नेता नहीं रहा होगा, जो ईरान का प्रमुख बनने से इतना बचना चाहता हो। हमने उन्हें साफ तौर पर कहते सुना है। वे कहते हैं, मुझे यह पद नहीं चाहिए। हम आपको अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, तो वे कहते हैं, नहीं, शुक्रिया। मुझे यह नहीं चाहिए।'

ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी। अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है।

अमेरिका का दावा- बात जारी है

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं।

27 दिन से बमबारी जारी, दांव पर ट्रंप की इज्जत; शांति बहाली के कोशिश में वेंस के पाकिस्तान जाने की अटकलें

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से छिड़ी जंग 27वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से दावा किया है कि तेहरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ युद्ध रोकने को लेकर बातचीत जारी है। हालांकि, ईरान की ओर से संघर्ष विराम को लेकर बातचीत से इनकार किया गया है। युद्ध रोकने के दावों और इनकार की इस हुज्जत में ट्रंप की इज्जत दांव पर लग गई है।

वहीं, कई अंतराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज कर दी गई हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता करने जा सकते हैं। इस्लामाबाद में शांति वार्ता की अटकलें रिपोर्ट्स के अनुसार संघर्ष विराम के लिए इसी हफ्ते इस्लामाबाद में जेडी वेंस एक उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वेंस के साथ अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस बैठक में शामिल होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस ओर संकेत दिए थे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए जेडी वेंस को अपनी पहली पसंद बताया है। ईरान के अधिकारियों ने कहा कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ या जेरेड कुशनर के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। जेडी वेंस से ही क्यों बात करना चाहता है ईरान? ईरानी अधिकारियों ने साफ किया कि पिछली बार इन नेताओं के साथ बातचीत के कुछ ही समय बाद तेहरान पर सैन्य हमले शुरू हो गए थे। ईरान की ओर से इन अधिकारियों पर भरोसा नहीं जताया गया है। वहीं, जेडी वेंस पहले से ही मध्य पूर्व के संघर्षों में अमेरिका के उलझने के खिलाफ साफ रुख अपनाते रहे हैं। ईरान का मानना है कि जेडी वेंस इस युद्ध को जल्द खत्म कराने में व्यावहारिक और अहम भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की ओर से इस संभावित बैठक में संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गलिबाफ वार्ता का नेतृत्व कर सकते हैं।

भगोड़े नीरव मोदी को बड़ा झटका, लंदन हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

लंदन , एजेंसी। भारत में भगोड़े हीरा कारोबारी घोषित नीरव मोदी को एक बार एक झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने बुधवार को नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बता दें कि नीरव मोदी को भारत में 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के सिलसिले में प्रत्यर्पित किया जाना है। बता दें कि मोदी एक भगोड़ा आर्थिक अपराधी है, जिस पर भारत में अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर पीएनबी को कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। नीरव मोदी पर अकेले ही 6,498.20 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप हैं। मोदी 19 मार्च 2019 से ब्रिटेन की अदालत में कैद है।

इससे पहले नीरव मोदी ने

हाईकोर्ट की किंग्स बेंच डिवीजन में याचिका दायर की थी। वहीं क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के वकील ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम की मदद से उसकी याचिका के खिलाफ दलीलें पेश की थीं। जांच अधिकारियों सहित सीबीआई अधिकारियों की एक टीम सुनवाई के लिए लंदन गई थी।

नीरव मोदी की याचिका खारिज : सीबीआई की प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि नीरव मोदी की अर्जी खारिज कर दी गई है। उन्होंने बताया, ''हथियार कारोबारी संजय भंडारी मामले में आए फैसले के आधार पर मामले में दोबारा सुनवाई शुरू करने की अर्जी दायर की गई थी। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। प्रवक्ता की बताया कि मोदी की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि याचिका और उससे संबंधित परिस्थितियां इतनी असाधारण नहीं थीं कि मामले में दोबारा सुनवाई का औचित्य साबित हो सके। उन्होंने कहा, ''सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में महत्वपूर्ण वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पीएनबी घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है और इस मामले में कार्यवाही 2018 से जारी है।

कोर्ट को नहीं मिली खामी : सीबीआई प्रवक्ता ने आगे बताया कि ब्रिटेन की अदालतों ने 2019 में मोदी की गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी और उसकी पिछली अपीलों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि अदालतों को कोई कानूनी खामी नहीं मिली और भारत में उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में दिए गए आश्वासनों को स्वीकार कर लिया गया था।

अधिकारी ने कहा, ''हालांकि एक अस्थायी कानूनी बाधा ने प्रक्रिया में देरी की, लेकिन इसे अगस्त 2025 में हटा दिया गया। नीरव मोदी ने संभावित दुर्व्यवहार (भंडारी फैसले के आधार पर) के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए और यह सवाल उठाया कि क्या भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन उसके अधिकारों की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं। उसने इसके साथ ही मामले पर दोबारा सुनवाई के लिए आवेदन किया था।

ईरान पर हमलों को ऑस्ट्रेलिया में कम समर्थन, सेना भेजने का विरोध

कैनबरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के हमलों की वजह से तनाव की स्थिति बरकरार है। एक सर्वे से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया की केवल 26 फीसदी जनता ही ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमलों को सही मानती है। वहीं 50 फीसदी आबादी ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की तैनाती को ठीक नहीं मानती। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्वतंत्र फर्म 'एसेंशियल रिसर्च' के एक मासिक पोल, 'द एसेंशियल रिपोर्ट' के ताजा अपडेट में बताया गया है कि 10 फीसदी लोग ईरान पर हमले शुरू करने के अमेरिका-इजरायल के फैसले को पूरी तरह से जायज हमला मानते हैं और 16 फीसदी लोग इसे ठीक-ठाक कार्रवाई करार दे रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 27 फीसदी हिस्सा इस संघर्ष के सख्त खिलाफ है। 15 फीसदी लोगों ने कहा कि वे इसे नामंजूर करते हैं, जबकि बाकी लोग या तो निष्पक्ष रहने में यकीन रखते हैं या इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं।

संघर्ष में ऑस्ट्रेलिया के शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पोल में शामिल 50 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ईरान में अमेरिका-इजरायल के जमीनी अभियान के समर्थन में सेना भेजने का विरोध करेंगे, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि वे ऐसे कदम के पक्ष में हैं।

दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से आने वाले यात्रियों पर बैन लगाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि शॉर्ट-टर्म वीजा खत्म होने के बाद वे घर जाने से मना कर देंगे। गृह विभाग का कहना है कि अगले छह महीनों तक ईरानी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को पर्यटन या काम के लिए ऑस्ट्रेलिया आने से रोक दिया जाएगा।

एक बयान में कहा गया है, 'ईरान में लड़ाई की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि कुछ अस्थायी वीजा होल्डर्स अपने वीजा खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया से बाहर नहीं जा पाएंगे या शायद ही जा पाएं।'

विभाग ने आगे कहा कि वीजा मामले में थोड़ी सी राहत कुछ खास मामलों में दी जाएंगी, जैसे कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के माता-पिता के लिए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 85,000 से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ईरान में पैदा हुए थे और सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में रहने वाले ईरानी समुदाय के पाए जाते हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने मेहमान महिला फुटबॉल टीम की सात खिलाड़ियों और अधिकारियों को अपने देश में शरण दी। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम से ईरान में भारी नाराजगी है।

दरअसल, एशियन कप मैच के दौरान खेल शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इस कदम के बाद ईरान में इन खिलाड़ियों को देशद्रोही करार दिया गया। खिलाड़ियों की इस हरकत को इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ बगावत के तौर पर देखा गया।

उन सात में से पांच ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में पनाह लेने का अपना फैसला बदल दिया, जिससे यह शक और बढ़ गया कि उनके परिवार खतरे में आ गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।' अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। अमेरिका का दावा- बात जारी है वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।' अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। अमेरिका का दावा- बात जारी है वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। लीविट ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस वार्ता में कहा, 'बातचीत जारी है।

14-15 मई को चीन दौरे पर जाएंगे ट्रंप, जिनपिंग के साथ अहम बैठक, रिश्तों में नई गति के संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब 14 और 15 मई को चीन का दौरा करेंगे। व्हाइट हाउस ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह यात्रा पहले इसी महीने के अंत में निर्धारित थी, लेकिन ईरान युद्ध के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने ट्रंप की बहुप्रतीक्षित चीन यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप इस साल बाद में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन की वाशिंगटन डीसी में वापसी यात्रा की मेजबानी भी करेंगे। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप-शी बैठक वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों नेता जल्द ही द्विपक्षीय मुद्दों पर वार्ता करेंगे।

ईरान युद्ध के कारण स्थगित हुई थी यात्रा : जब लीविट से पूछा गया कि क्या दोनों नेताओं ने इस बैठक को फिर से निर्धारित करने की पूर्व शर्त के रूप में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा की थी, तो उन्होंने जवाब दिया कि राष्ट्रपति और शी के बीच बैठक को फिर से निर्धारित करने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई थी। लीविट ने कहा राष्ट्रपति शी ने समझा कि इस समय राष्ट्रपति का पूरे क्षेत्र में यहां होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्थगित करने के अनुरोध को समझा और स्वीकार किया, इसीलिए हमारी बैठक हो रही है।

पिछले साल दोनों नेताओं की अक्तूबर में हुई थी मुलाकात : जब यह पूछा गया कि क्या मई में होने वाली बैठक तक युद्ध समाप्त हो जाएगा, तो लीविट ने कहा जैसा कि मैंने कहा है, हमने हमेशा लगभग चार से छह सप्ताह का अनुमान लगाया है। ट्रंप और शी आखिरी बार अक्टूबर में बुसान, दक्षिण कोरिया में एपीईसी शिखर सम्मेलन के मौके पर व्यक्तिगत रूप से मिले थे। पिछले हफ्ते ओवल ऑफिस में आयरिश प्रधानमंत्री मिशेल मार्टिन से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह महीने के अंत के बजाय पांच या छह सप्ताह

में चीन जाएंगे।

उन्होंने कहा था कि वह अपनी चीन यात्रा को फिर से निर्धारित करेंगे। ट्रंप ने कहा हम चीन के साथ काम कर रहे हैं, वे इसके साथ ठीक थे। मैं राष्ट्रपति शी से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मुझे लगता है कि वह मुझसे मिलने के लिए उत्सुक हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव जारी : गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर संयुक्त हमला किया था, जिसके जवाब में इस्लामिक राष्ट्र की जवाबी कार्रवाई ने युद्ध को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया था। अमेरिका और इस्राइलके हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। यह संयुक्त हमले ट्रंप द्वारा तेहरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम पर एक नए सौदे पर सहमत होने के लिए दबाव बढ़ाने के दिनों बाद हुए थे। इस संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी भारी असर डाला है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के पार।

दक्षिण अफ्रीका : भारतीय मूल की 6 महिलाओं पर ज्वेलरी चोरी का केस शुरू

डरबन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में एक ज्वेलरी दुकान से करीब 3.2 मिलियन रैंड (लगभग करोड़ों रुपये) की चोरी के मामले में 6 भारतीय मूल की महिलाओं के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। इन महिलाओं को 2023 में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं। दुकान के मालिक विष्णु पाथर ने कोर्ट में बताया कि शुरुआत में कुछ घड़ियां गायब थीं, लेकिन जांच में लंबे समय से चोरी का पता चला। सभी आरोपी महिलाओं ने खुद को निर्दोष बताया है। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed at MANGALYAM MUDRANALAY, 107/B, Parwati Industrial Estate, Opp. PNB, Tavdipura, Ahmedabad-380004. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.